

आजाद सिपाही

गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना (GSCC)
तथा मांकी मुण्डा छात्रवृत्ति योजना

का शुभारंभ कार्यक्रम

गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड
योजना की विशेषता

झारखण्ड राज्य स्थित मान्यता प्राप्त संस्थान से 10वीं/12वीं कक्षा उत्तीर्ण ऐसे विद्यार्थी जो आर्थिक कारणों से उच्च शिक्षा प्राप्त करने से वंचित हैं वैसे छात्र-छात्राओं को आर्थिक सहायता प्रदान करना ताकि छात्रों को उच्च शिक्षा के क्षेत्र/संस्थान जैसे-Engineering, Medical, Law, Research, IITs, IIMs आदि में शिक्षा प्राप्त करने में सुविधा मिले।

मुख्य अतिथि

श्री चम्पाई सोरेन

माननीय मुख्यमंत्री, झारखण्ड

के कर कमलों द्वारा

गरिमामयी उपस्थिति

श्री सत्यानंद भोक्ता

माननीय मंत्री, श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग तथा उद्योग विभाग, झारखण्ड

श्री बादल पत्रलेख

माननीय मंत्री, कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग, झारखण्ड

मांकी मुण्डा छात्रवृत्ति
योजना की विशेषता

राज्य की छात्राओं को तकनीकी शिक्षा प्राप्त करने हेतु प्रोत्साहन राशि प्रदान करने के उद्देश्य से मांकी मुण्डा छात्रवृत्ति योजना जिसमें राज्य के राजकीय/निजी /P.P.P मोड पर संचालित डिप्लोमा स्तरीय कोर्स में नामांकित तथा झारखण्ड राज्य स्थित विद्यालय से 10वीं कक्षा उत्तीर्ण छात्राओं को डिप्लोमा कोर्स हेतु ₹15,000 प्रोत्साहन राशि प्रति वर्ष प्रदान की जायेगी

दिनांक: 11 मार्च 2024

समय: 11:30 पूर्वाह्न

स्थान : दाना भगत स्टेडियम, खेलगांव, रांची

2 विद्यार्थियों को ऋण के रूप में अधिकतम ₹15 लाख तक की राशि बैंकों के माध्यम से बिना किसी प्रोसेसिंग शुल्क के उपलब्ध कराई जाएगी। विद्यार्थियों को मात्र 4% साधारण ब्याज की दर से राशि का भुगतान करना होगा, शेष ब्याज की राशि का वहन राज्य सरकार द्वारा किया जाएगा। ऋण वापसी की अवधि 15 वर्ष तक की निर्धारित की गई है जिसके लिए विद्यार्थियों से किसी प्रकार की जमानती सुरक्षा (Collateral Security) नहीं ली जाएगी। ऋण प्राप्ति के लिए किसी तरह की इनकम क्राइटेरिया निर्धारित नहीं की गई है।

3 ऋण वापसी की प्रक्रिया पाठ्यक्रम पूर्ण होने के 1 वर्ष बाद प्रारंभ करने का विकल्प तथा अध्ययन की अवधि में ही ऋण का ब्याज चुकाने पर विद्यार्थी को ब्याज के दर में 1% की छूट भी दिए जाने का प्रावधान है।

2 झारखण्ड राज्य के राजकीय / निजी /P.P.P मोड पर संचालित अभियंत्रण महाविद्यालयों में बी.टेक/ बी.ई. कोर्स में झारखण्ड राज्य के विद्यालय से 10वीं एवं 12वीं कक्षा (अथवा समकक्ष) उत्तीर्ण छात्राओं को बी. टेक/ बी.ई. कोर्स हेतु ₹30,000 प्रोत्साहन राशि प्रति वर्ष प्रदान की जायेगी।

3 जिस छात्रा के परिवार का विगत वर्ष में सभी प्रकार के आय के स्रोतों को मिलाकर सकल वार्षिक आय अधिकतम ₹8 लाख तक प्रति वर्ष है या लाभुक राष्ट्रीय/राज्य स्वायत्त सुरक्षा योजना से आच्छादित हैं उन्हें शैक्षणिक वर्ष 2023-24 से लाभ मिलेगा।

11 मार्च, 2024
फाल्गुन, शुक्ल पक्ष, प्रतिपदा
संवत् 2080
पृष्ठ : 14, मूल्य : ₹3.00

रांची

सोमवार, वर्ष 09, अंक 141

आजाद सिपाही



ओबीसी के हक और अधिकार के लिए उलगुलान का एलान

कुर्बानी देकर भी लेकर रहेंगे
हक-अधिकार: ब्रह्मदेव प्रसाद

■ मांगें पूरी नहीं हुई, तो सड़क पर लड़ाई

■ चक्का जाम और धरना-प्रदर्शन का भी रास्ता अपनायेंगे

रांची (आजाद सिपाही)। पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) एकता अधिकार मंच ने हक और अधिकार के लिए उलगुलान का एलान कर दिया है। मौका था- रविवार को एकता अधिकार मंच के छोटानागपुर प्रमंडलीय महासम्मेलन का। इसमें आबादी के

बराबर हिस्सेदारी की मांग उठी। देश की आबादी में 65 फीसदी हिस्सेदारी का जिक्र करते हुए 52 प्रतिशत आरक्षण देने सहित 11 सूत्री मांगों को रखा गया। मंच से साफ संदेश दिया गया कि जो भी पार्टी घोषणा पत्र में ओबीसी समाज की मांग को

शामिल करेगा, उसी पार्टी को समर्थन दिया जायेगा। ओबीसी की जो बात करेगा, वही सत्ता पर राज करेगा। जिसकी जितनी संख्या भारी, उसकी उतनी हिस्सेदारी की आवाज बुलंद की गयी। महासम्मेलन में शहर और गांव से काफी संख्या में

ओबीसी समाज के महिला-पुरुष और युवा शामिल हुए। इधर, ओबीसी परिवार में जन्मे भोजपुरी कलाकार खेसारी लाल यादव ने ओबीसी एकता अधिकार मंच के समर्थन में अपनी गीतों की प्रस्तुति दी।



प्रमंडलीय महासम्मेलन में उमड़े जनसैलाव ने एक साथ हाथ उठा कर केंद्रीय अध्यक्ष ब्रह्मदेव प्रसाद का अभिवादन स्वीकार किया। ब्रह्मदेव प्रसाद ने कहा कि 11 सूत्री मांगें अब सरकार को मान लेनी चाहिए, ये मांगें हमारा अधिकार हैं। गरीबी हमारे समाज को बर्बाद कर रहा, हमारा ओबीसी समाज समृद्धि और संपूर्णता खो चुका है। बेरोजगारी चरम पर है, इसका कारण है जनसंख्या के आधार पर आरक्षण न मिलना है। ओबीसी समाज सड़क पर लड़ाई शुरू करेगा। झारखंड के हर जिलों से अभी सिर्फ आवाज उठनी शुरू हुई है, कल को हम चक्का जाम और धरना प्रदर्शन का रास्ता अपनायेंगे। पिछड़ा वर्ग ओबीसी परिवार को कई जगहों पर अत्याचार, जमीन लूट और अन्य परेशानियों का सामना करना पड़ता है, अब वे अकेले नहीं हैं। मंच उनके साथ खड़ा है। कोई भी परेशानी हो, हम उनके मदद के लिए तैयार हैं। ओबीसी समाज से आने वाली महिलाओं के सशक्तिकरण को लेकर उन्होंने कहा कि राजनिधि में भी महिलाओं को बराबर का अधिकार देना राज्य और केंद्र सरकार सुनिश्चित करें। बेरोजगार शिक्षित युवकों को ऋण मुक्त प्रोत्साहन राशि मिले, ताकि उन्हें अपने व्यवसाय और शिक्षा में मदद मिले, बुजुर्ग अभिभावकों को पेंशन की व्यवस्था सुनिश्चित की जाये।

ओबीसी की प्रमुख मांगें

- जाति आधारित जनगणना करा कर जनसंख्या के अनुपात में पिछड़ा वर्ग के पुरुष- महिलाओं की राजनीतिक हिस्सेदारी और भागीदारी सुनिश्चित की जाये। सामाजिक, आर्थिक, शैक्षणिक रिपोर्ट जारी की जाये।
- जनसंख्या के हिसाब से सभी सरकारी एवं गैर-सरकारी संस्थानों में 52 प्रतिशत आरक्षण की व्यवस्था हो।
- नगर निकाय-पंचायत चुनाव में पिछड़ा वर्ग के लिए निर्धारित रोस्टर के अनुसार सीटों को राज्य सरकार आरक्षित करे।
- पिछड़ा वर्ग के शिक्षित बेरोजगार युवाओं को 10000 रुपये मासिक बेरोजगारी भत्ता की व्यवस्था की जाये और किसानों का न्यूनतम समर्थन मूल्य बढ़ाया जाये।
- पिछड़ा वर्ग के छात्र-छात्राओं को सभी शैक्षणिक संस्थानों में नामांकन में आरक्षण के साथ ही नि:शुल्क शिवा और बुनियादी सुविधा की व्यवस्था कर उन्हें रहने के लिए छात्रवास की व्यवस्था की जाये।
- पिछड़ा वर्ग के व्यापारियों और बेरोजगारों को स्वावलंबी बनाने के लिए बिना ब्याज के 10 लाख रुपये का ऋण उपलब्ध कराया जाये।
- पिछड़ा वर्ग की लूटी गयी जमीन को उन्हें वापस कराया जाये और लूटी जा रही जमीन जायदाद पर रोक लगाते हुए जमीन संबंधित विवादों का निपटारा कर जमीन लुटेरों के खिलाफ सख्त कानून कार्रवाई करते हुए आपराधिक मामला दर्ज किया जाये।
- पिछड़ा वर्ग के ऊपर हो रहे अन्याय, आपराधिक घटनाएँ और हत्या से संबंधित मामलों में उन्हें त्वरित न्याय दिलाने के लिए फास्ट ट्रैक कोर्ट का स्थापना की जाये। साथ ही व्यवसायियों को सुरक्षा प्रदान की जाये।
- पिछड़ा वर्ग आयु को सशक्त और सक्रिय करते हुए पिछड़ा वर्ग पित निगम की स्थापना कर बेरोजगार युवकों-छात्रों को ब्याज मुक्त स्वरोजगार और शिवा के लिए ऋण उपलब्ध कराये।
- पिछड़ा वर्ग के व्यवसायियों द्वारा दिये गये कर (जीएसटी और इनकम टैक्स) के अपुर्णत में 50 वर्ष के ऊपर सभी को पैशन की व्यवस्था की जाये।



समाज के लोगों ने निभायी भागीदारी

अजय वर्मा ने मंच संचालन किया। महासम्मेलन में राज्य के अन्य वरिष्ठ सामाजिक और राजनीतिक लोगों ने अपनी उपस्थिति दर्ज करायी, जिसमें वासवी जी, राजेश कुमार, शकुंतला जयसवाल, श्रवण कुमार, दीपा रानी कुंज, विनोद कुमार, राज नारायण पटेल, अजय वर्मा, गोरखनाथ चौधरी, वरुण बिहारी, सर्वेश पटेल, आरके मंडल, अखतर अंसारी, अभिलाष साहू, रवींद्र ठाकुर, वीरेंद्र साहू, बबलू टाड़गर, कमलेश आर्य, कृपाल साहू, रीना देवी, राकेश चौधरी और राकेश गुप्ता ने मंच साझा किया।

सदस्यता के लिए
मो. नंबर जारी किया

संबोधन के वक्त केंद्रीय अध्यक्ष ब्रह्मदेव प्रसाद ने मिस कॉल सदस्यता को लेकर 80 47358317 जारी किया। इस पर मिस कॉल देते ही आपकी सदस्यता दर्ज हो जायेगी।

संविधान प्रदत्त अधिकार
हर हाल में चाहिए

ओबीसी समाज पिछड़ा वर्ग अपना अधिकार पाने के लिए संवैधानिक तरीके से आंदोलन की दिशा में कदम बढ़ा रहा है। संविधान में वर्णित प्रावधानों के अनुरूप पिछड़ा वर्ग को आरक्षण चाहिए। पिछड़ा वर्ग भारत की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। गांव की अर्थव्यवस्था को चलाने में भी उसका अहम रोल है। अब ओबीसी समाज एकजुटता के साथ आगे बढ़ेगा और अपना अधिकार लेकर रहेगा।

65 प्रतिशत आबादी है, 52 फीसदी आरक्षण चाहिए

ब्रह्मदेव प्रसाद ने कहा कि कुर्बानी देकर भी हर हाल में अपना अधिकार लेकर रहेंगे। अब ओबीसी समाज जग गया है। दबोंगे नहीं, हक और अधिकार के लिए लड़ेंगे। झारखंड में ओबीसी की आबादी 65 प्रतिशत है, हर हाल में 52 फीसदी आरक्षण चाहिए। हर नौकरी में 100 में 52 लोग ओबीसी के होने चाहिए। बिहार की तर्ज पर झारखंड में जाति आधारित जनगणना होनी चाहिए। हालांकि इसकी घोषणा सरकार के स्तर से की गयी है, लेकिन इस पर जल्द पहल हो। ब्रह्मदेव प्रसाद ने कहा कि ओबीसी छात्र-छात्राओं की प्रतिभा पैसे के अभाव में दम तोड़ रही है। एजुकेशन लोन काफी महंगा है। इस लिए सरकार को चाहिए कि एजुकेशन लोन देने के बदले लौटाने पर कोई अतिरिक्त इंटरैस्ट नहीं लगे। छात्रहित में सरकार को यह कदम उठाना चाहिए।



आजाद सिपाही



FLORENCE
Group of Institutions
(A Unit of Haji Abdur Razzaque Educational Society)
Irba, Ranchi-835219, Jharkhand

Admission OPEN 2024-25
PLACEMENT Assistance Scholarship Facility Available

PHARMACY D-PHARM
NURSING ANM GNM POST BASIC B.SC. BASC. B.SC. M.SC. Separate Hostel For Boys & Girls
M.: 9031231082, 7903999411, 6205145470
E-mail : fnsirba@gmail.com
Website : www.florenceinirba.com

न्यूज रीलस

गिरिडीह में जैन समाज के आश्रम से अष्टधातु की सात मूर्तियां चोरी

गिरिडीह। जिले के निमियाघाट थाना क्षेत्र में दिगंबर जैन 20 पंथी कोठी के समीप स्थित श्री कृष्ण बाई उदासीन आश्रम में पार्श्वनाथ भगवान के मंदिर के गेट का ताला तोड़कर शनिवार रात चोरों ने अष्टधातु एवं पीतल की बनी 12 मूर्तियां सहित अन्य सामानों की चोरी कर ली। रविवार की सुबह जब आश्रम की कुसुम देवी मंदिर पूजा करने पहुंची, तो गेट का ताला टूटा देख समाज के अन्य लोगों को जानकारी दी। सूचना मिलते ही जैन समाज के लोग मंदिर पहुंचे और निमियाघाट पुलिस को चोरी की सूचना दी। सूचना पाते ही निमियाघाट थाना प्रभारी राणा जंग बहादुर सिंह सदल-बल मौके पर पहुंचे और घटना की जानकारी ली। इसके बाद जैन समाज और स्थानीय

मुख्यमंत्री के हाथों जामताड़ा और गिरिडीह को मिली 980.15 करोड़ की सौगात

हम घोषणाएं नहीं कर रहे, योजनाओं को जमीन पर उतार रहे: चंपाई सोरेन

आजाद सिपाही टीम

जामताड़ा/पीरटांड। मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने रविवार को जामताड़ा और गिरिडीह जिलों को 980.15 करोड़ रुपये की परियोजनाओं की सौगात दी। उन्होंने जामताड़ा-निरसा पथ पर वीरग्राम-बरबोदिया में बराकर नदी पर उच्चस्तरीय पुल और गिरिडीह के पीरटांड में 639.20 करोड़ की मेगा लिफ्ट सिंचाई योजना का शिलान्यास किया। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर 340 करोड़ 95 लाख 40 हजार रुपये की लागत से कई विकास योजनाओं का उद्घाटन-शिलान्यास और लाभुकों के बीच परिसंपत्तियों का वितरण किया। इसमें 263.87 करोड़ रुपये की बरबोदिया पुल परियोजना और 26 करोड़ रुपये की 12 अन्य योजनाओं का लोकार्पण और नींव रखी गयी। वहीं 69631 लाभुकों के बीच 52.80 करोड़ रुपये की परिसंपत्तियों का वितरण हुआ। दोनों कार्यक्रमों में मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार केवल घोषणाएं नहीं कर रही है, बल्कि योजनाओं को धरातल पर उतार भी रही है। उन्होंने कहा कि राज्य में कोई ऐसा परिवार नहीं है, जिस तक राज्य सरकार की योजनाएं नहीं पहुंची हों।

■ जामताड़ा के वीरग्राम-बरबोदिया में बराकर नदी पर 263.87 करोड़ के पुल का शिलान्यास

■ गिरिडीह के पीरटांड में 639.20 करोड़ की मेगा लिफ्ट सिंचाई योजना का शिलान्यास

■ आज कोई भी ऐसा परिवार नहीं है, जहां हमारी सरकार की योजनाएं नहीं पहुंची हों



विकास का गलियारा बना रहे

जामताड़ा में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में आधारभूत संरचनाओं को बेहतर और मजबूत बनाने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। इस कड़ी में सड़कों तथा पुल-पुलिया का जाल बिछाया जा रहा है, क्योंकि इसी के जरिये विकास का नया गलियारा बनता है। उन्होंने कहा कि बरबोदिया पुल उन लोगों को सच्ची श्रद्धांजलि है, जिन्होंने बराकर नदी में नाव दुर्घटना होने से जल समाधि ले ली थी। उन्होंने कहा कि बरबोदिया पुल के निर्माण से जामताड़ा समेत पूरे संताल का धनबाद से रोड कनेक्टिविटी मजबूत होगा।

हम जो कहते हैं उसे अवश्य पूरा करते हैं : मुख्यमंत्री ने कहा कि

हमारी सरकार घोषणाओं में विश्वास नहीं करती है। हम जो

झारखंड कभी गरीब नहीं रहा

मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड कभी गरीब नहीं रहा, लेकिन यहां के लोग गरीबी में रहने को मजबूर रहे। अलग राज्य बनने के 19 वर्षों तक झारखंड के उत्थान पर किसी भी सरकार का ध्यान नहीं रहा। सिर्फ यहां के खनिज संसाधनों का दोहन होता रहा। यहां के आदिवासियों-मूलवासियों के दुख-दर्द को किसी ने समझने की कोशिश नहीं की। 2019 में हेमंत जी के नेतृत्व में सरकार बनी, तो उन्होंने यहां के आदिवासियों-मूलवासियों, दलितों, पिछड़े, अल्पसंख्यकों, गरीबों, जरूरतमंदों और किसानों-मजदूरों की समस्याओं को समझा और उसी के अनुरूप योजनाएं बना कर उन्हें सशक्त और स्वावलंबी बनाने की दिशा में कदम बढ़ाया।

धरातल पर उतर रही हैं। समाज के अंतिम पंक्ति में बैठे व्यक्ति को इसका लाभ मिल रहा है। पीरटांड क्षेत्र आदर्श क्षेत्र के रूप में विकसित होगा : बाद में मकर संक्रांति मेला मैदान, पशुबन में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार यहां के कृषक परिवारों की आर्थिक स्थिति को मजबूत करने के लिए पाइपलाइन के माध्यम से किसानों के खेतों तक पानी पहुंचाने का कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि झारखंड में किसान साल भर में तीन फसल की उपज कर सकें, यह हमारा लक्ष्य है। मुख्यमंत्री ने कहा कि गिरिडीह झारखंड आंदोलन की धरती रही है। दिशोम गुरु शिबू सोरेन ने इसी धरती से झारखंड आंदोलन को धार देने का काम किया था।
ये रहे उपस्थित: जामताड़ा के कार्यक्रम में मंत्री बसंत सोरेन, विधायक इरफान अंसारी, पूर्व सांसद फुरकान अंसारी, पथ निर्माण विभाग के प्रधान सचिव सुनील कुमार, मुख्यमंत्री के सचिव अरवा राजकमल और अन्य मौजूद थे। पीरटांड के कार्यक्रम में अन्य लोगों के अलावा विधायक सुदिव्य कुमार, इरफान अंसारी, पूर्व विधायक जयप्रकाश वर्मा, जल संसाधन विभाग के सचिव प्रशांत कुमार और उपायुक्त और अन्य मौजूद थे।

पीएम मोदी ने साकार किया 1008 परिवारों का पक्के घर का सपना



रांची लाइट हाउस प्रोजेक्ट का किया वर्युअल उद्घाटन
सांकेतिक तौर पर 10 लोगों को दी गयी फ्लैट की चाबी

आजाद सिपाही संवाददाता
रांची। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रांची के 1008 परिवारों के पक्के घर के सपने को रविवार को सच कर दिया। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के तहत रांची के लाइट हाउस प्रोजेक्ट का वर्युअल उद्घाटन किया और समारोह में सांकेतिक रूप से 10 लोगों को फ्लैट की चाबी दी गयी। यह प्रोजेक्ट राजधानी के धुवां इलाके में मौसीबाड़ी मैदान पंचमुखी मंदिर के पास अवस्थित है। ग्लोबल हाउसिंग टेक्नोलॉजी चैलेंज के तहत 3डी वॉल्युमेट्रिक प्रीकास्ट विधि से 5.15 एकड़ में सात इमारतें बनायी गयी हैं। इसके तहत 131 करोड़ की लागत से 18 महीनों में 1008 फ्लैट बनाये गये। हरेक फ्लैट 315 वर्ग फीट में बना है और एक बेडरूम का है।
मौके पर रांची सांसद संजय सेठ ने कहा कि यह फ्लैट महज प्रोजेक्ट नहीं है, बल्कि प्रधानमंत्री मोदी की गारंटी है। प्रधानमंत्री का विजन है कि आज उन्हें भी घर मिला, जो कभी उम्मीद भी नहीं रखते होंगे। प्रधानमंत्री गांव-गरीब

10 लाभुकों को दी गयी सांकेतिक चाबी

उद्घाटन के दौरान 10 लाभुकों को सांकेतिक रूप से फ्लैट की चाबी दी गयी। लाभुकों में शोभा देवी, केशरी देवी, संजय कुमार कर्ण, मनोज कुमार वर्मा, राकेश कुमार दास, पुनम देवी, इंदू देवी, मुन्नी देवी, सविता कुमारी और अजय कुमार लकुर के नाम शामिल हैं। लाभुकों ने घर मिलने की खुशी जतायी और पीएम मोदी का आभार व्यक्त किया। उनका कहना था कि अभी तक सभी किसानों के मकान में रहते थे, लेकिन अब उनका खुद का मकान होगा।

और किसान सभी के लिए सोचते हैं। महिलाओं के आरक्षण प्रधानमंत्री ने ही दिया। संजय सेठ ने कहा कि मोदी जो कहते हैं, वही करते भी हैं। यही उनकी गारंटी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी फिर से 2024 में आ रहे हैं। दुनिया के संपन्न देश भी मान चुके हैं कि मोदी फिर से आ रहे हैं। रांची शहर की व्यवस्था को लेकर कहा कि बड़गाई में प्लांट बन कर तैयार है। यहां सीवेज का पानी ट्रीटमेंट किया जायेगा।
ये रहे उपस्थित : कार्यक्रम के दौरान रांची सांसद संजय सेठ, हटिया विधायक नवीन जायसवाल, नगर प्रशासक अमित कुमार समेत तमाम पदाधिकारी मौजूद रहे।

Usha Martin University
प्रोजेक्ट बालिका उच्च विद्यालय
पद्मावती ITI
Forest Guest House
HOTEL NAGENDRA IN
मार्केट
RTC Public School
अनगड़ा ब्लॉक
अनगड़ा थाना
IAS फार्महाउस

Distance approximately from

Kul Prabhush Memorial College	600meter
Kasturba Gandhi Balika Vidyalaya	2.5 km
RTC Public school	1.8 km
Usha Martin University	1.2 km
Govt. Health Department	2 km
Angara Weekly Market	2 km
Khadai Ginn Udiyog	1 km
Angara Block	1.8 km
Gaitalsud Dam	10 km
Padmavati ITI	1.5 km
Salini Hospital	2 km
Angara Thana	1.8 km
Hundred Feet	20 km
Ring Road	6 km
Lorha	19 km
Sikidri	18 km
Goa	30 km

1. अनगड़ा ब्लॉक - 1.8 KM
2. RTC Public School - 1.8 KM
3. Usha Martin University - 1.2 KM
4. कुलप्रमाशा मेमोरियल नर्सिंग कॉलेज - 600 Meter
5. थाना - अनगड़ा (CRPF कैम्प) - 1.8 KM
6. हुन्दरु फॉल - 20 KM
7. सालीनी हॉस्पिटल - 2 KM
8. जल संसाधन (Drinking Water Department)
9. पद्मावती ITI - 1.5 KM
10. सप्ताहीक बाजार, अनगड़ा चौक (2दिन)- 2 KM
11. सरकारी स्वास्थ्य केंद्र - 2 KM
12. कस्तुरबा गांधी बालिका विद्यालय - 2.5 KM
13. Ring Road - 6 KM
14. खादी ग्राम उद्योग - 1 KM
15. गेटल सुद डेम - 10 KM
16. जोन्हा - 19 KM
17. सिकदरी - 18 KM
18. गोला - 30 KM



MAYUR VIHAR

A PROJECT OF MAA KALI CONSTRUCTION

(Proprietor) Mr. Niraj Kumar

Contact us :- 7992464862 / 9798914734

एक बार सेवा का मौका अवश्य दें !



धनबाद-चतरा में भाजपा प्रत्याशियों की घोषणा में देरी के मायने

■ चल रहा है टिकट के दावेदारों के साथ स्थानीय सियासी माहौल का आकलन

■ झारखंड की इन दोनों सीटों पर बेहतर विकल्प की तलाश कर रही है भगवा पार्टी

■ जाति या उम्र नहीं है बाधा, केवल जीत की संभावना है टिकट मिलने का आधार

लगातार तीसरी बार देश की सत्ता हासिल करने की कोशिशों में जुटी भारतीय जनता पार्टी ने झारखंड की 14 लोकसभा सीटों में से 11 सीटों पर अपने प्रत्याशियों की घोषणा कर दी है। जिन तीन सीटों के लिए अभी तक प्रत्याशी घोषित नहीं हुए हैं, उनमें धनबाद और चतरा की सीटें भाजपा कोटे की हैं, जबकि गिरिडीह की सीट भाजपा की सहयोगी आजसू पार्टी के खाते में है। धनबाद और चतरा सीट पर प्रत्याशियों की घोषणा नहीं किये जाने के कारण तरह-तरह की चर्चाएं हो रही हैं और कई

मायने निकाले जा रहे हैं। कहा जा रहा है कि बढ़ती उम्र के कारण धनबाद के सांसद पीएन सिंह को और कामकाज की रिपोर्ट के आधार पर चतरा सांसद सुनील सिंह को बदलने का फैसला किया जा चुका है। एक चर्चा यह भी है कि भाजपा ने जातीय संतुलन को साधने की

वजह से एक ही जाति के दो प्रत्याशियों को टिकट नहीं देने का मन बनाया है। इसलिए दोनों का टिकट रोका गया है। लेकिन हकीकत इससे एकदम अलग है। इस बार भाजपा के प्रत्याशियों की सूची के गहन विश्लेषण से एक बात साफ हो गयी है कि पार्टी के टिकट

का आधार केवल जीत की संभावना को ही बनाया गया है। जाति या उम्र जैसी कोई बाधा नहीं है। इसलिए कहा जा सकता है कि भाजपा धनबाद और चतरा में टिकट के दावेदारों की जीत की संभावनाओं के साथ स्थानीय सियासी माहौल का भी आकलन कर रही है। ताकि बेहतर विकल्प को मॉका दिया जा सके। क्या है धनबाद और चतरा सीट का राजनीतिक माहौल और भाजपा के अंदर क्या चल रहा है मंथन, बता रहे हैं आजाद सिपाही के विशेष संवाददाता राकेश सिंह।



राकेश सिंह

चाहती है। लेकिन भाजपा के प्रत्याशियों की सूची के गहन विश्लेषण और पार्टी के भीतर चल रहे मंथन के बाद जो बात उभर कर सामने आ रही है, वह यह है कि पार्टी दोनों सीटों के तमाम दावेदारों का आकलन कर रही है और यदि कोई बेहतर विकल्प मिला, तो उसे टिकट दे सकती है।

क्या है पीएन सिंह और सुनील सिंह की स्थिति

धनबाद से पीएन सिंह लगातार तीन बार से सांसद रहे हैं। वह 75 साल के हो गये हैं। पार्टी उन पर चौथी बार विश्वास जतायेगी या नहीं, इससे बिना प्रभावित हुए वह क्षेत्र में पसीना बहा रहे हैं। उन्होंने पिछले 15 साल में धनबाद के लिए बहुत काम किया है। उनके पक्ष में जो सबसे बड़ी बात है, वह यह कि उनकी छवि बेदाग रही है। वह कभी किसी विवाद में नहीं रहे। उधर चतरा के वर्तमान सांसद सुनील सिंह के कामकाज की रिपोर्ट संतोषजनक नहीं बतायी जा रही है। वह लगातार दो बार से चतरा से सांसद हैं। मूल रूप से बक्सर (बिहार) के रहनेवाले सुनील सिंह पर 'बाहरी' का ठप्पा लगा हुआ है और चतरा में इस बार 'स्थानीय सांसद' का मुद्दा लगातार जोर पकड़ रहा है।

कौन हैं इन दोनों सीटों के दावेदार

अब नजर डालते हैं धनबाद और चतरा सीट के दावेदारों पर।



धनबाद सीट के बारे में कहा जाता है कि धनबाद में नेता नहीं, भाजपा जीतती है। धनबाद लोकसभा संसदीय क्षेत्र में नेता का व्यक्तिगत प्रभाव, सामाजिक समीकरण और जातीय समीकरण बहुत मायने नहीं रखता। इसलिए इस सीट को लेकर भाजपा में दावेदारों की सूची लंबी है। हर जाति के दावेदार दावा ठोक रहे हैं। पीएन सिंह लगातार तीन बार यहाँ से भाजपा के टिकट पर सांसद बन चुके हैं। धनबाद में

भाजपा के टिकट के कई दावेदार हैं। इनमें पूर्व मेयर चंद्रशेखर अग्रवाल, धनबाद के भाजपा विधायक राज सिन्हा और बोकारो विधायक बिरंची नारायण के अलावा बाधमारा विधायक दुल्लू महतो रस में हैं। जमशेदपुर पूर्वी के विधायक सरयू राय के नाम की चर्चा भी जोर-शोर से चल रही है। भाजपा सरयू राय पर इसलिए भी दांव लगा सकती है, क्योंकि सरयू भले ही धनबाद जिले के नहीं हैं,

लेकिन कोयलांचल में उनकी अच्छी पकड़ है। दामोदर बचाओ आंदोलन को लेकर उन्होंने इस क्षेत्र में काफी काम किया है। भाजपा के कार्यकर्ताओं से भी उनका संपर्क अच्छा है। दूसरा फैक्टर यह भी है कि धनबाद में राजपूत वोटों का भाजपा को समर्थन मिलता रहा है। इसलिए भाजपा यहाँ से पीएन सिंह के बाद राजपूत प्रत्याशी ही खड़ा करना चाहेगी।

उधर चतरा के वर्तमान सांसद सुनील सिंह भाजपा के बड़े नेता हैं। वह लगातार दो बार, यानी 2014 और 2019 में यहाँ से चुने जा चुके हैं। सुनील सिंह पिछला चुनाव साढ़े तीन लाख से ज्यादा वोट से जीते थे। पिछले चुनाव में भी कई हिचकोले खाने के बाद वह टिकट हासिल कर पाये थे। स्थानीय स्तर पर कार्यकर्ता और नेता इनके खिलाफ मुखर हैं। भाजपा नेताओं का एक खेमा भी

इनका खेल बिगाड़ने में लगा है। चर्चा है कि वर्तमान सांसद सुनील सिंह क्षेत्र में समय नहीं दे रहे हैं। इस बदली हुई परिस्थिति में चतरा से भाजपा के कई दावेदार हैं। इस सीट पर भवनाथपुर विधायक भानु प्रताप शाही और पांकी विधायक शशिभूषण मेहता की नजर है। झारखंड की राजनीति में लंबे समय से स्थापित नेता गिरिनाथ सिंह के नाम की भी चर्चा हो रही है। वहीं, प्रवीण सिंह इन दिनों चतरा का दौरा कर एक नया समीकरण बनाने की कोशिश में हैं। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव भी इलाके में सक्रिय हैं और टिकट के लिए कोशिश कर रहे हैं। पिछले लोकसभा चुनाव में कांग्रेस से उम्मीदवार रहे मनोज यादव दूसरे स्थान पर थे। श्री यादव फिलहाल भाजपा के साथ हैं। भाजपा में टिकट के दावेदार श्री यादव को भी गंभीरता से लेते हैं। भाजपा के प्रशिक्षण प्रमुख मनोज सिंह भी टिकट के लिए दौड़ भाग कर रहे हैं। हाल के दिनों में नेत्र रोग विशेषज्ञ और इलाके में प्रमुख समाजसेवी के रूप में चर्चित डॉ

अभिषेक रामदीन भी भाजपा के संभावित चेहरे हैं। वहीं योगेंद्र प्रताप सिंह का नाम भी तेजी से उभर रहा है।

केवल जीत की संभावना ही टिकट का आधार

भाजपा में इस बार उम्र, जाति या कामकाज के आधार पर टिकट नहीं दिया जा रहा है। पार्टी

बेहतर विकल्प तलाश रही है भाजपा

भाजपा के अंदर इन दोनों सीटों को लेकर केवल यही बात हो रही है कि यदि यहाँ के वर्तमान सांसदों को बदला जायेगा, तो उनका बेहतर विकल्प कौन हो सकता है। चूंकि इन दोनों सीटों पर दावेदारों की सूची लंबी है, इसलिए इन पर मंथन लगातार जारी है। यह बात पक्की है कि यदि कोई बेहतर विकल्प नहीं मिला, तो पार्टी इन दोनों को फिर से मैदान में उतार सकती है।

अर्जुन मुंडा ने सिमडेगा में किया पूसा कृषि विज्ञान मेले का उद्घाटन

12 मार्च तक चलेगा मेला, विभिन्न अनुसंधान संस्थानों, स्टार्टअप, एफपीओ और कृषि उद्यमियों के स्टॉल लगे

आजाद सिपाही संवाददाता

सिमडेगा। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री सह जनजातीय मामलों के केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा ने सिमडेगा जिले में पूसा कृषि विज्ञान मेले का उद्घाटन किया। अल्बर्ट एक्का स्टैंडियम में आयोजित इस किसान मेला को संबोधित करते हुए मंत्री ने कहा कि किसानों के कल्याण के लिए पूसा संस्थान के द्वारा लगातार बेहतर प्रयास किया रहा है। उन्होंने किसानों से नयी प्रौद्योगिकियों का उपयोग करके वैज्ञानिक नवाचारों का अधिकतम लाभ उठाने का आह्वान किया। श्री मुंडा ने कहा कि बीज में रोग ना लगे, इसके लिए कृषि वैज्ञानिकों द्वारा लगातार कार्य किया जा रहा है। धान की फसल में पानी की कम खपत हो इसके लिए कैसे बीज तैयार किये जायें, इसके लिए भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान के विभिन्न संस्थानों के माध्यम से रिसर्च किये जा रहे हैं। इस प्रदर्शनी के माध्यम से किसानों को फसलों में रोग से बचाव के बारे में भी जानकारी



किसानों के कल्याण पर विशेष ध्यान

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में किसानों के कल्याण पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। आज किसान कल्याण मंत्रालय का बजट 1.25 लाख करोड़ किया गया है, जो कि पिछली सरकारों के मुकामबले काफी ज्यादा है। देश भर के किसानों के बैंक खातों में डीबीटी के माध्यम से 6000 रुपये, नमो झेन दीदी और लखपति दीदी पहल, विशेष कर ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं के बीच आर्थिक सशक्तिकरण और वित्तीय स्वायत्तता को बढ़ावा देने के लिए मोदी सरकार कृत संकल्प है। उन्होंने कहा कि सिमडेगा जिला को आदर्श जिला बनाना है। किसानों का डेटाबेस बनाया जा रहा है जिससे वह सीधे कृषि मंत्रालय से जुड़ कर नयी तकनीकों का लाभ ले सकें।

मिलेगी।

इस मौके पर विमला प्रधान, पूर्व मंत्री झारखंड सरकार, निर्मल

कुमार बेसरा पूर्व विधायक, भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान के निदेशक डॉ अशोक कुमार

कृषि उद्यमिता-समृद्ध किसान

हरित क्रांति की जन्मस्थली और देश की अग्रणी कृषि अनुसंधान शिक्षा और प्रसार का संस्थान भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान पूसा, नयी दिल्ली द्वारा सिमडेगा में आयोजित मेले के दौरान देश भर से विभिन्न कृषि संस्थान, कृषि विश्वविद्यालय एवं कृषि विज्ञान केंद्र नवीन तकनीकों का प्रदर्शन कर रहे हैं। इस मेले की मुख्य विषय कृषि उद्यमिता-समृद्ध किसान है। उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए मूल्य संवर्धन और फसल विविधता पर चर्चा की जायेगी। मेले में कृषक संगठन, महिला स्वयं सहायता समूहों द्वारा स्टॉल भी लगाया गया है। पूसा संस्थान के वैज्ञानिकों द्वारा संगोष्ठी होगी, जिससे किसानों को नवीन तकनीकों की जानकारी प्राप्त हो सकेगी।

सिंह, डॉ रवींद्र पडारिया, संयुक्त निदेशक, डॉ एससी दुबे कुलपति बिरसा कृषि विश्वविद्यालय, डॉ सुजय रक्षित, निदेशक, भारतीय कृषि जैव प्रौद्योगिकी अनुसंधान संस्थान, रांची, डॉ विशाल नाथ समेत विभिन्न कृषि अनुसंधान संस्थानों के वैज्ञानिक एवं प्रतिनिधि उपस्थित थे।

आदिवासियों का आरक्षण छीनना चाहती है भाजपा : कल्पना सोरेन

आजाद सिपाही संवाददाता

गोड्डा। के सुंदरपहाड़ी प्रखंड के डमरू हाट के फुटबॉल मैदान में झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) की नेता सह पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन ने रविवार (10 मार्च) को लोगों को संबोधित किया। डमरूहाट में आयोजित एक कार्यक्रम में मंत्री हर्षीजुल हसन के साथ हेलीकॉप्टर से पहुंची कल्पना सोरेन ने आदिवासियों को संबोधित करते हुए कहा कि सुंदरपहाड़ी हेमंत सोरेन का विधानसभा क्षेत्र है। हेमंत सोरेन ने राज्य के लोगों के लिए बनार्यी कल्याणकारी योजनाएं : अपने पति हेमंत सोरेन के विधानसभा क्षेत्र बरहेट के अंतर्गत आने वाले सुंदरपहाड़ी



प्रखंड में उन्होंने कहा कि यहाँ 10 साल से विधायक रहे हेमंत सोरेन ने जो विकास किया है, इसके पहले किसी जनप्रतिनिधि ने इतना विकास नहीं किया। कल्पना सोरेन ने कहा कि हेमंत सोरेन की सरकार ने राज्य के लोगों के लिए कल्याणकारी योजनाएं तैयार कीं और उसका लाभ भी उन्हें दिलवाया। हेमंत सोरेन ने गांव और गरीबों

का विकास किया : उन्होंने कहा कि हेमंत सोरेन ने गांव व गरीबों का विकास किया है। इससे भाजपा घबरा गयी। पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को झूठे केस में फंसाकर जेल भेज दिया गया। जनता को संबोधित करते हुए कल्पना सोरेन ने कहा कि इस बात से रुकना व थमना नहीं है। केंद्र व भाजपा सरकार को मुंहतोड़ जबाब देना है।

हेमंत सोरेन के हाथ को मजबूत करें : कल्पना

कल्पना सोरेन ने जनता का आह्वान किया कि इस बार वो फिर से तीर-धनुष व हेमंत सोरेन के हाथ को मजबूत करें। कल्पना सोरेन ने कहा कि केंद्र सरकार यहाँ के आदिवासियों के साथ अन्याय कर रही है। उसके आरक्षण को खत्म करना चाह रही है। इसका हम सभी जमकर विरोध करेंगे। लोकसभा और विधानसभा के चुनावों में झामुमो को जीत दिलवायेंगे। उन्होंने कहा कि झामुमो जल, जंगल व जमीन की रक्षा के लिए ही बनी है। मंत्री हर्षीजुल हसन ने भी सभा को संबोधित किया।

आठ सीटों पर चुनाव लड़ेगी भाकपा

इंडी गठबंधन से पार्टी अलग

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। भारतीय कम्यूनिस्ट पार्टी ने इंडिया गठबंधन के साथ चुनाव लड़ने से इंकार कर दिया है। यह घोषणा रविवार को की गयी। पार्टी की ओर से 16 मार्च को उम्मीदवारों की घोषणा की जायेगी। इसके साथ ही जानकारी



दी गयी है कि पार्टी आठ सीटों पर अपने उम्मीदवार की घोषणा करेगा। जिसमें हजारीबाग, जमशेदपुर, चतरा, कोडरमा, पलामू, रांची, दुमका और

गिरिडीह से उम्मीदवार उतारा जायेगा। इसके साथ ही पार्टी ने जानकारी दी है कि इंडिया गठबंधन के लैटलतीफी के कारण पार्टी ने यह निर्णय लिया है।

इसकी जानकारी पूर्व सांसद भुवनेश्वर प्रसाद मेहता ने की। इसकी जानकारी देते हुए भुवनेश्वर मेहता ने कहा कि पार्टी इंडिया गठबंधन से मांग करती है कि अभी भी समय है गठबंधन सीटों पर निर्णय लें। हजारीबाग सीट सीपीआइ के खाते में डालें। नहीं तो पार्टी अलग चुनाव लड़ने के लिए भी तैयार है।

आजाद सिपाही

आइपीएम के शुरुआती
मैच नहीं खेल सकेंगे
राबिन मिंज



न्यूज रीलस

राज्यसभा चुनाव

सरफराज अहमद होंगे
महागठबंधन के उम्मीदवार



रांची। इमामुद्दीन के वरिष्ठ नेता और गण्डिय से पूर्व विधायक डॉ. सरफराज अहमद इंडिया गठबंधन के साझा प्रत्याशी होंगे। इस पर मुहुर रविवार को देर शाम मुख्यमंत्री आवास पर हुई गठबंधन दलों की बैठक में लगी। बैठक की अध्यक्षता गठबंधन दल के नेता एवं मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने की। बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत में इमामुद्दीन के राष्ट्रीय महासचिव सुप्रिया भट्टाचार्य ने कहा कि बैठक में सरफराज अहमद के नाम पर मुहुर लगायी गयी। वे गठबंधन के साझा प्रत्याशी होंगे और 11 मार्च को सुबह 11 बजे नामांकन पत्र दाखिल करेंगे, जिसमें गठबंधन दल के विधायक शामिल होंगे। बैठक में मंत्री सह विधायक दल नेता आलमगीर आलम, राजद के मंत्री सत्यानंद भोक्ता, माले विधायक विनोद सिंह समेत कई विधायक एवं नेता मौजूद थे।

प्रमोद कृष्णम बोले- राहुल गांधी दिमागी संतुलन खो चुके

मुरादाबाद। कांग्रेस से निकले जा चुके आचार्य प्रमोद कृष्णम ने रविवार को संभल में कहा- राहुल गांधी दिमागी संतुलन खो चुके हैं। कांग्रेस डूबता हुआ जहाज है। जिस जहाज का कैप्टन राहुल गांधी जैसा होगा, उससे सब छलांग लगायेंगे ही। इसीलिए सीनियर नेता एक-एक करके छलांग लगा रहे हैं। जितने भी बड़े नेता हैं उनका कांग्रेस में अपमान हो रहा है। कहां- कांग्रेस की बर्बादी के लिए सिर्फ एक व्यक्ति जिम्मेदार है, उसका नाम है राहुल गांधी। करुणाकरन की बेटी, अशोक चौहान, सुरेश पचौरी और गुलाम नबी आजाद जैसे बड़े नेता यूं ही छोड़कर नहीं चले गये। सच तो ये है कि सीनियर नेताओं का कांग्रेस में दम घुट रहा है। राहुल गांधी के नौकर सीनियर नेताओं का अपमान करते हैं। कांग्रेस से निष्कासित होने के बाद प्रमोद कृष्णम ने संभल में प्रेस कॉन्फ्रेंस की। जिसमें उन्होंने राहुल गांधी पर जमकर निशाना साधा। कांग्रेस से निष्कासित होने के बाद प्रमोद कृष्णम ने संभल में प्रेस कॉन्फ्रेंस की। जिसमें उन्होंने राहुल गांधी पर जमकर निशाना साधा। प्रमोद कृष्णम ने कहा- हार का डर राहुल गांधी को अमेठी से वायनाड ले गया। वो जानते थे कि अमेठी से लड़े तो हार जायेंगे, इसीलिए वायनाड चले गये।

कूनों से गामिनी

आजाद सिपाही संवाददाता
भोपाल। मध्यप्रदेश के कूनों नेशनल पार्क से फिर खुशखबरी सामने आयी है। दक्षिण अफ्रीका से लायी गयी मादा चीता गामिनी ने पांच शावकों को जन्म दिया है। भारत में जन्मे चीतों की संख्या 13 हो गयी है। बता दें कि केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने अपने 'एक्स' हैंडल पर वीडियो शेयर किया है। बताया गया कि भारत में दूसरे लॉट में लाये गये चीतों में शामिल पांच वर्षीय गामिनी ने रविवार को पांच शावकों को जन्म दिया। यह भारतीय धरती पर चीता चीता वंश है और दक्षिण

पश्चिम बंगाल में बिखर गया इंडी गठबंधन तृणमूल ने सभी 42 सीटों पर उतारे प्रत्याशी

- नुसरत जहां और मिमी चक्रवर्ती और अर्जुन सिंह का कटा टिकट
- 12 महिलाओं समेत 16 मौजूदा सांसदों को दोबारा दिया गया मौका

आजाद सिपाही संवाददाता

कोलकाता। इंडी गठबंधन को रविवार को उस समय जोरदार झटका लगा, जब पश्चिम बंगाल में उसकी सहयोगी टीएमसी ने राज्य की सभी 42 संसदीय सीटों पर उम्मीदवार उतार दिये। कोलकाता में आयोजित रैली में उम्मीदवारों के नामों की घोषणा टीएमसी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने की। सूची के अनुसार 16 मौजूदा सांसदों को



टिकट दिया गया है। इनमें 12 महिलाएं भी शामिल हैं। पार्टी सुप्रीमो ममता बनर्जी की मंजूरी से जारी इस सूची में बहरामपुर सीट से कांग्रेस सांसद अधीर रंजन जादवपुर सीट से अभिनेत्री मिमी चक्रवर्ती का टिकट काट दिया गया है। भाजपा से तृणमूल में शामिल हुए सांसद अर्जुन सिंह को भी इस बार टिकट नहीं दिया गया है।

इसके अलावा बंगाली फिल्म इंडस्ट्री के दो बड़े चेहरे रचना बनर्जी को हुगली और दीपक अधिकारी देव को घाटाल से टिकट दिया गया है।

कोलकाता में ब्रिगेड परेड ग्राउंड में टीएमसी की 'ब्रिगेड जनसभा' का आयोजन किया गया था। पार्टी ने यहीं से 2024 के चुनाव अभियान की शुरुआत की। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और अभिषेक बनर्जी ने 'जन गर्जन सभा' नामक इस रैली में लोगों को संबोधित किया। इस दौरान ममता बनर्जी ने भाजपा सरकार पर हमला बोलेते हुए कहा कि हम एनआरसी लागू होने नहीं देंगे। अभिषेक बनर्जी ने कहा, मैं इस ब्रिगेड रैली से भाजपा को कहना चाहता हूँ, 'जन-गण का गर्जन, बंगाल से विरोधी का विसर्जन' है।

टिकट कटा तो मंच छोड़कर चले गये अर्जुन सिंह

बैरकपुर से लोकसभा का टिकट नहीं मिलने पर नाराज तृणमूल नेता अर्जुन सिंह बीच में ही ममता का मंच छोड़ कर चले गये। 2019 के लोकसभा चुनाव में टिकट नहीं मिलने के बाद अर्जुन सिंह ने भाजपा का दामन थाम लिया था। तब उन्होंने तृणमूल के दिग्गज नेता दिनेश त्रिवेदी को हराया था। 2021 के विधानसभा चुनाव से पहले त्रिवेदी भी भाजपा में शामिल हो गये थे। इसके बाद यहां तृणमूल के पास कोई बड़ा चेहरा नहीं बचा था। इसके बाद अर्जुन सिंह 22 मई को भाजपा छोड़कर वापस तृणमूल में आ गये।

आजमगढ़ में पीएम ने कहा मोदी दूसरी मिट्टी का बना

जुनाव में नेता पत्थर लगाकर
गायब हो जाते थे

मैं तेज दौड़ रहा, देश को दौड़ा
रहा

आजाद सिपाही संवाददाता

वाराणसी/ आजमगढ़। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का रविवार को यूपी में दूसरा दिन है। रविवार को आजमगढ़ से पीएम मोदी ने देशभर के 15 एयरपोर्ट का उद्घाटन किया। इस दौरान पीएम ने कहा- मैं दूसरी मिट्टी का बना हूँ, क्योंकि पहले चुनाव के मौसम में नेता पत्थर लगा देते थे। फिर पत्थर भी गायब और नेता भी गायब हो जाते थे। उन्होंने कहा कि मैं 2047 तक देश को विकसित भारत बनाने के लिए तेज गति से दौड़ रहा हूँ और देश को तेज गति से दौड़ा रहा हूँ। 2024 में किए जा रहे शिलान्यासों को कोई चुनावी चरम से न देखें। क्योंकि 2019 में हमने जो



शिलान्यास किए थे, उनके उद्घाटन हो चुके हैं। आजमगढ़ में यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री को स्मृति चिह्न दिया। उन्होंने कहा कि आजमगढ़ पहले अपराध और माफियाओं का गढ़ था। मगर 10 साल में आजमगढ़ की पहचान बदल गई। इससे पहले सुबह वाराणसी में पीएम ने इच्छ गेस्ट हाउस में 100 से ज्यादा भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की थी। शनिवार देर शाम पीएम काशी पहुंचे थे। वहां उन्होंने बाबतपुर एयरपोर्ट से करीब 30 किमी का रोड शो किया। काशी विश्वनाथ मंदिर के गर्भगृह में बाबा का 30 मिनट तक पूजन किया।

भाजपा विधायकों ने डॉ प्रदीप वर्मा का अभिनंदन किया

राज्यसभा चुनाव में राज्य के
प्रत्याशियों का निर्विरोध जीत
सुनिश्चित करए राज्य का
सत्ताधारी गठबंधन: अमर
कुमार बाउरी

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। भाजपा प्रदेश कार्यालय में रविवार को प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी की अध्यक्षता में पार्टी के विधायक दल की बैठक संपन्न हुई। जिसमें नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी, प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह, मुख्य सचेतक बिरंची नारायण, सचेतक जेपी पटेल, विधायक सीपी सिंह, नीलकंठ सिंह मुंडा, अनंत ओझा, राज सिन्हा, नीरा यादव, केदार हाजरा, कोचे मुंडा, नारायण दास, अमित मंडल, समरी लाल सहित राज्यसभा के घोषित प्रत्याशी एवं प्रदेश महामंत्री डॉ प्रदीप वर्मा प्रदेश संगठन महामंत्री डॉ प्रदीप वर्मा का आभार अमर कुमार बाउरी ने कहा कि भाजपा ने एक समर्पित डॉ कार्यकर्ता डॉ प्रदीप वर्मा जो वर्षों से लगातार पार्टी कार्य विभिन्न

जेएसएससी पेपर लीक मामले में पुलिस को मिली बड़ी सफलता

आजाद सिपाही संवाददाता

मेदिनीनगर। झारखंड राज्य कर्मचारी चयन आयोग के प्रश्न पत्र के लीक के मामले में पलामू से एसआइटी ने एक कोचिंग संचालक को गिरफ्तार किया है। एसआइटी से जुड़े सब इंस्पेक्टर ने बताया कि गिरफ्तार पवन पलामू के मेदिनीनगर के प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करवाता है। पवन का भाई रवि



दायित्वों के माध्यम से कर रहे हैं, उन्हें आगामी राज्यसभा चुनाव में भाजपा का प्रत्याशी बनाया है। उन्होंने कहा कि राज्य में खाली हुए दो राज्यसभा सीटों में एक भाजपा के खाते में है तथा दूसरा राज्य के सत्ताधारी गठबंधन के खाते में। संख्या बल के आधार पर दोनों पक्षों के पास एक एक उम्मीदवार की जीत सुनिश्चित कराने का संख्या बल है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने अपना उम्मीदवार घोषित कर दिया है।

सोमवार को 11.30 बजे पूर्वाह्न नामांकन भी दाखिल करेंगे। ऐसे में आदर्श स्थिति होगी कि सत्ता पक्ष भी अपना एक उम्मीदवार घोषित कर दोनों सीटों पर निर्विरोध जीत सुनिश्चित करे। उन्होंने कहा कि झारखंड धनपशुओं के कारण राज्यसभा चुनाव में बदनाम होता रहा है। ऐसे में सत्ताधारी गठबंधन को झारखंड को कलंकित होने से बचना चाहिए। इसके पूर्व विधायक दल की बैठक में पार्टी के घोषित प्रत्याशी डॉ प्रदीप वर्मा

चतरा से राजद प्रत्याशी रहे सुभाष यादव गिरफ्तार

लालू के करीबी को इडी
ने छापामारी के बाद
हिरासत में लिया

आजाद सिपाही संवाददाता

पटना। चतरा लोकसभा सीट से राजद के प्रत्याशी रह चुके राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के करीबी सुभाष यादव को इडी की टीम ने गिरफ्तार कर लिया है। शनिवार सुबह से लेकर रात तक उनके आठ ठिकानों पर छापेमारी चली थी। इसके बाद करीब दो करोड़ कैश और जमीन से जुड़े कई कागजात बरामद हुए थे। जांच के बाद इडी की टीम ने सुभाष यादव को गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद उन्हें कोर्ट में पेश किया गया। इडी की टीम को और से अब तक बयान जारी नहीं किया गया है। सुभाष यादव बाँडसन कस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड के डायरेक्टर हैं। उन पर बालू के अवैध कारोबार करने का



राजद ने लोकसभा चुनाव का दिया था टिकट

सुभाष यादव को राजद ने 2019 में झारखंड के चतरा लोकसभा क्षेत्र से टिकट दिया था। उस चुनाव में उन्हें हार का सामना करना पड़ा था। चुनाव से एक साल पहले यानी 2018 में इनकम टैक्स ने दिल्ली, धनबाद और पटना समेत सुभाष यादव के कई ठिकानों पर छापेमारी की थी।

आरोप है। वहीं इस गिरफ्तारी के बाद राजद खेमे में हड़कंप मचा हुआ है। इससे पहले राजद एमएलसी विनोद जायसवाल के ठिकाने पर आयकर की टीम ने छापेमारी की थी। टीम ने पटना स्थित उनके आवास पर छापामारी की थी। बालू के अवैध कारोबार और मनी लाँड्रिंग का आरोप : इडी की टीम को सुभाष यादव के खिलाफ बालू का अवैध

कारोबार और मनी लाँड्रिंग की शिकायत मिली थी। जांच के बाद टीम ने पटना के दानपुर, तर्किया इलाके समेत सुभाष यादव के आठ ठिकानों पर छापेमारी की थी। छापेमारी के दौरान इतनी भारी मात्रा में कैश देख इडी की टीम दंग रह गयी थी। टीम को कैश गिनने के लिए मशीन मंगवानी पड़ी थी। इसके बाद मध्य रात्रि को सुभाष यादव को गिरफ्तार कर लिया गया।

पलामू से कोचिंग संचालक गिरफ्तार

किशोर प्रश्न पत्र लीक मामले में मुख्य आरोपी में से एक है। रवि किशोर फरार है जिसकी तलाश एसआइटी की टीम कर रही है। दरअसल कुछ दिनों पहले झारखंड राज्य कर्मचारी चयन आयोग द्वारा संयुक्त स्नातक स्तरीय प्रतियोगी परीक्षा का आयोजन किया गया था। प्रतियोगी परीक्षा का प्रश्न पत्र लीक हुआ था और इसके पेपर सोशल

मीडिया में वायरल हुए थे। पूरे मामले में रांची पुलिस ने एसआइटी का गठन किया है। एसआइटी की टीम ने पलामू में शनिवार को छापेमारी की और पंकज को गिरफ्तार किया है। पंकज पर प्रश्न पत्र लीक में शामिल रहने का आरोप है। मुख्य आरोपी में से एक रवि किशोर को वित्तीय सहायता करने का भी पवन पर आरोप है। पवन को

राज्य के नवनिर्माण के लिए नवीन सोच की आवश्यकता: सुदेश महतो

कृषि विकास को सरकार ने
प्राथमिकता नहीं दी

चान्हे और मंडर के जिला
परिषद सदस्य ने थामा
आजसू का दामन

आजाद सिपाही संवाददाता

चान्हे। राज्य के नवनिर्माण के लिए नवीन सोच की आवश्यकता है। कृषि पर राज्य की बड़ी आबादी निर्भर करती है, लेकिन मौजूदा सरकार ने कृषि विकास की अनदेखी की है। किसानों की समस्याओं से सरकार और सिस्टम का कोई लेना- देना नहीं है। उक्त बातें आजसू पार्टी अध्यक्ष सुदेश कुमार महतो ने बिजुपाड़ा में आयोजित मिलन समारोह में कही। इस दौरान चान्हे के जिला परिषद सदस्य आशुतोष तिवारी और मंडर के जिला परिषद सदस्य परमेश्वर भगत अपने समर्थकों के साथ आजसू पार्टी में शामिल हुए। सुदेश कुमार महतो ने कहा कि राज्य जिस अराजकता के माहौल से गुजर रहा है, उसमें लोगों की चेतना को जगाना और हक अधिकार के लिए मुखर बनाने की जरूरत है। आजसू पार्टी इस दिशा में निरंतर प्रयास कर रही है। इस बार के विधानसभा चुनाव में लूट और झूठ



का पर्दाफाश होगा। बेरोजगारी के दलदल में फंसे युवाओं में सरकार की कार्यप्रणाली को लेकर गुस्सा है। उन्होंने कहा कि मंडर, चान्हे, इटकी को कृषि के क्षेत्र में बहुत आगे ले जाया जा सकता है, लेकिन राज्य सरकार ने किसी असरदार योजना पर काम नहीं किया।

सुदेश कुमार महतो ने कहा कि आजसू समाज के हर वर्ग की पार्टी है। झारखंड के बारे में चिंतन-मंथन करने वाले लोग लगातार हमारे साथ जुड़ रहे हैं। पार्टी की सदस्यता ग्रहण करने वाले चान्हे जिला परिषद सदस्य आशुतोष तिवारी ने कहा कि झारखंड में विकास की असीमित संभावनाएं हैं फिर भी हमारा राज्य आज गरीब व पिछड़ों राज्यों की गिनती में आता है।

संतेंद्र सिंह उपस्थित रहे। इन्होंने ली सदस्यता : मिलन समारोह में लतीफ अंसारी, अशेखर साही, राजू उरांव, करसु महतो, चंदन कुमार दुबे, संजु उरांव, समशेर खान, इमरोज खान, उषा देवी, मोहन राम, रोमा, उरांव, माजिद अंसारी, जयपाल मुंडा, संध्या उरांव, लखी राम लोहरा, सोमब अंसारी, पंचमानी उरांव, विजय प्रजापति, सुभद्रा उरांव, मोजिम खान, माजिद अंसारी, भरत मुंडा, नादिम अंसारी, लाजुदीन अंसारी, विकास ठाकुर, हस्बुल अंसारी, मिथलेश सोनी, आलम खान, खालिद आलम, शंवाज अंसारी, नेजुदीन अंसारी, सबीर अंसारी, माजिद अंसारी, एउल अंसारी, शमशाद अंसारी, इब्राहीम अंसारी, तजमुल अंसारी, खालिद अंसारी, ज्ञान खान, हाजी, सदात अंसारी, सलमान अंसारी, सोमग अंसारी समेत सैकड़ों लोग आजसू पार्टी में हुए शामिल।



वेदर
 शहर अधिकतम न्यूनतम
 रांची 28.0 °c 13.3 °c
 सूर्यास्त (आज) : 17.55 बजे
 सूर्योदय (कल) : 06.02 बजे

बस और बालू लदे हाइवा में टक्कर मां-बेटी की मौत, कई यात्री घायल

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। राजधानी रांची के तुपुदाना ओपी क्षेत्र के तुपुदाना ओवरब्रिज के पास रविवार सुबह करीब पांच बजे एक यात्री बस और बालू लदे हाइवा में हुई टक्कर में मां-बेटी की मौत हो गयी। बस रांची से चाइबासा के लिए जा रही थी। इसी दौरान तुपुदाना ओवरब्रिज के पास अनियंत्रित हाइवा ने बस में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में आधा दर्जन से ज्यादा यात्री घायल हुए हैं।

जानकारी के अनुसार रांची से चाइबासा के लिए श्री हरिरथ नाम की बस रविवार सुबह निकली थी। बस जैसे ही तुपुदाना ओवरब्रिज के पास पहुंची, एक तेज रफ्तार हाइवा से टकरा गयी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बस और हाइवा दोनों ही ओवरब्रिज के पिलर में जा घुसे। टक्कर में बस का दहिना हिस्सा बुरी तरह से



क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे में अगली सीट पर बैठे कोडरमा की रहने वाली मां और बेटी की मौत हो गयी, वहीं आधा दर्जन से ज्यादा यात्री बुरी तरह से घायल हुए हैं। इस हादसे में कोडरमा की रहने वाली रिमा देवी (45) और उनकी बेटी सोनल कुमारी (7)

की मौत हो गयी। दोनों कोडरमा के फॉरेस्ट कॉलोनी के रहने वाले थे। रांची से दोनों खूंदी जाने के लिए चाइबासा जाने वाली बस में बैठे थे। हादसे की जानकारी मिलने के बाद तुपुदाना थाना पुलिस और स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे।

घायलों को बस से निकाल कर अस्पताल भेजा गया। तुपुदाना थाना प्रभारी मीरा सिंह मौके पर पहुंचे घायलों को बस से निकालने में लगी रही। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और घायलों को अस्पताल भिजवाया है।

महत्वपूर्ण खबरें

शेख भिखारी कॉलेज में पूर्ववर्ती छात्र सम्मेलन



रांची (आजाद सिपाही)। शहीद शेख भिखारी कॉलेज ऑफ एजुकेशन में पूर्ववर्ती छात्र सम्मेलन का आयोजन किया गया। प्राचार्या डॉ सपना त्रिपाठी द्वारा पूर्ववर्ती छात्रों का स्वागत किया गया। इस अवसर पर पूर्ववर्ती छात्रों ने अपने कॉलेज के दिनों के अनुभव साझा किये। मौके पर डॉ अंजू शर्मा समेत अन्य उपस्थित थे।

सीसीएल मना रहा है कोयला उत्पादन दिवस
 रांची (आजाद सिपाही)। सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड 2023-24 में 84 मिलियन टन एमटी के कोयला उत्पादन लक्ष्य को प्राप्त करने, कर्मचारियों में जोश और कोयला उत्पादन को गति देने के लिए कोयला उत्पादन दिवस मना रहा है। सीसीएल प्रबंधन ने वित्तीय वर्ष 2023-24 के शेष दिनों में प्रत्येक मंगलवार और शुक्रवार को कोयला उत्पादन दिवस मनाने का निर्णय लिया है। सीसीएल झारखंड के आठ जिलों रांची, रामगढ़, हजारीबाग, चतरा, बोकारो, गिरिडीह, पलामू और लातेहार में खनन गतिविधियां संचालित कर रहा है। सीसीएल द्वारा कोयले की आपूर्ति उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल, मध्य प्रदेश और झारखंड सहित देश के अन्य राज्यों के विभिन्न ताप विद्युत संयंत्रों को की जा रही है। महासंबंधक-विभागाध्यक्षों के प्रतिनिधियों वाली एक उच्चस्तरीय समिति खनन और अन्य गतिविधियों से जुड़े कार्यबल को प्रेरित करने के लिए कोयला क्षेत्रों का नियमित रूप से दौरा कर रही है। सीएमडी सीसीएल डॉ बी वीरा रेड्डी और निदेशक द्वारा नियमित रूप से उत्पादन की समीक्षा भी की जा रही है। बताया गया कि सीसीएल ने 7 मार्च 2024 तक 76.25 एमटी, प्रोविजनल 77.04 एमटी और 113.22 एमटीएएम प्रोविजनल का उत्पादन हासिल कर लिया है।

अन्नपूर्णा भंडारा का वितरण किया गया



रांची (आजाद सिपाही)। गुरु महाराज की जनसेवा को समर्पित जीवन के स्वर्णिम 52 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में रविवार को पुढाग स्थित राधा-कृष्ण मंदिर प्रांगण में संस्था के उपाध्यक्ष निर्मल जालान, राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल की देखरेख में अन्नपूर्णा भंडारे का आयोजन किया गया। संस्था की सदस्य विधा देवी अग्रवाल के द्वारा जन्मदिन पर परिवार के बीच निःशुल्क भंडारे का वितरण किया गया। भंडारे के यजमान सचिन, दीपिका, मौतिका को संस्था के अध्यक्ष इंदरमल अग्रवाल ने अंगवस्त्र और मोमेटो देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में निर्मल जालान, राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल, पुष्पल सराफ, ओमप्रकाश सरावगी, सुरेश अग्रवाल, सुरेश भगत, चिरंजीलाल खंडेलवाल, विशाल जालान, ज्ञान प्रकाश शर्मा समेत अन्य मौजूद थे।

विद्यापति स्मारक समिति 16 मार्च को होली मिलन समारोह का आयोजन करेगी

रांची (आजाद सिपाही)। विद्यापति स्मारक समिति के कार्यालय में रविवार को लेखानंद झा की अध्यक्षता में एक आवश्यक बैठक की गयी। इस बैठक में सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि आगामी 16 मार्च को समिति के कार्यालय में होली मिलन समारोह का आयोजन किया जायेगा। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सुलभ इंटरनेशनल झारखंड प्रदेश के पदाधिकारी होंगे। साथ ही साथ पंडित निर्भयकांत झा शास्त्री एवं उनकी टीम के द्वारा होली गीत की रंगारंग प्रस्तुति दी जायेगी। मालपुआ और भांग के सहित टंढाई की भी व्यवस्था रहेगी। समिति के अध्यक्ष लेखानंद झा ने कहा कि होली आपसी प्रेम, भाईचारा और सौहार्द का त्योहार है, समिति के तत्वावधान में आयोजित होने वाले इस होली मिलन कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य समाज में एकता का संदेश देना है और सभी को रंगों की तरह ही आपस में मिलजुल कर रहने का संदेश देना है। इस बैठक और मौमेटो देकर नारायण ठाकुर, श्रेष्ठ नारायण झा, बी के झा, संजीव ठाकुर, दिलीप झा, रंजीत लाल दास सहित अन्य मौजूद थे।

सबकी सहभागिता ही असली मायने में विकास : वाजपेयी

डीएसपीएमयू में व्याख्यानमाला

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। डीएसपीएमयू सभागार में श्यामा प्रसाद मुखर्जी व्याख्यानमाला श्रृंखला के तहत व्याख्यान का आयोजन रविवार को किया गया। इसमें अटल बिहारी वाजपेई विश्वविद्यालय बिलासपुर के कुलपति एडीएन वाजपेई मुख्य अतिथि थे। विषय था-विकसित भारत 2047 तक। इस विकसित भारत विषय पर वृत्त कार्यशाला सह व्याख्यान की अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति तपन कुमार शांडिल्य ने कहा कि जिन महापुरुष के नाम पर यह विश्वविद्यालय है, उनके नाम से इस व्याख्यानमाला की शुरुआत करते हुए काफी गौरवार्थित



महसूस कर रहा हूँ और विषय भी भावनात्मक तौर पर काफी प्रासंगिक है, विकसित भारत 2047 तक। कुलपति ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री ने पांच प्रणों की घोषणा की है और इस पर बल देते हुए कहा है कि अगर देश के युवा इन पांच प्रणों को समुचित विकास की धार के साथ जोड़ें, तो निश्चय ही

रियल स्टेट मास्टरी का वर्कशॉप जुटे देश-विदेश के व्यवसायी

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। यदि हम आंकड़ों की बात करें तो रियल स्टेट आज दुनिया भर में रोजगार प्रदान करने के मामले में दूसरे नंबर का सेक्टर है। भारत में इस व्यवसाय के फलने-फूलने की अपार संभावनाएँ हैं। जल्द ही इस बात की है कि लोग इस व्यवसाय की बारिकियों से परिचित हों। उक्त बातें सुनील तुलसियानी ने कहीं। वे रियल स्टेट मास्टरी कार्यक्रम में बतौर मुख्य प्रशिक्षक प्रतिभागियों को संबोधित कर रहे थे। तुलसियानी भारतीय मूल के रहने वाले हैं। इनका व्यवसाय कनाडा में फैला हुआ है। वे मूलतः रियल स्टेट व्यवसायी, लेखक और प्रशिक्षक हैं। आचार्य अमरेश के बुलावे पर वे रांची आये हैं। इस प्रशिक्षण सह उन्मुखीकरण कार्यक्रम के आयोजक आचार्य अमरेश हैं।

आचार्य अमरेश अमीषा रीयल स्टेट के फाउंडर लेखक और कोच हैं। अमीषा रीयल स्टेट डेवलपर रांची की प्रमुख कंपनी हैं। आचार्य अमरेश रांची की धरती पर व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों के आयोजन और प्रशिक्षण के लिए जाने जाते हैं। उनका मानना है कि देश का विकास तभी होगा जब हमारे युवा स्किल के साथ मोटिवेशन भी सिख लेंगे। हम लोगों में व्यवसायिक रिकल होनी ही चाहिए।

दो दिनों तक रांची में वर्कशॉप

बता दें कि यह कार्यक्रम 9 और 10 मार्च को रांची में आयोजित हुआ। कार्यक्रम में भाग लेने के लिए महाराष्ट्र, गुजरात छत्तीसगढ़, बिहार, झारखंड के

सरकार प्रदेश की 70 फीसदी नौकरी बाहरियों को बेच रही : अमित मंडल

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। भाजपा के विधायक और प्रदेश प्रवक्ता अमित मंडल ने आरोप लगाया है कि झारखंड सरकार राज्य की 70 फीसदी नौकरी बाहरियों को दे रही है। परीक्षा कराने वाली एजेंसियां पैसे लेकर 70 फीसदी से अधिक सीटें दूसरे राज्यों के युवाओं को बेच दे रही है। उन्होंने कहा कि हाल ही में नगर विकास विभाग में जेड पद पर नियुक्ति हुई। इसमें 70 फीसदी से ज्यादा बाहरी अभ्यर्थी नियुक्त हुए हैं। यूपी, बिहार, पश्चिम बंगाल के साथ-साथ तमिलनाडु के लोग झारखंड की नौकरियां ले गये। कहा कि पूर्व की हेमंत सरकार ने 60-40 की नीति के तहत राज्य की सरकारी नौकरियों में 40 फीसदी पद बाहरियों के लिए खोल दिया था। राज्य के युवा और भाजपा के विरोध के बाद सरकार को झुकना पड़ा था। पूर्व सीएम हेमंत सोरेन ने विधानसभा में कहा था कि बाहरियों को थर्ड और फोर्थ ग्रेड की नौकरियां किसी हाल में नहीं देंगे, लेकिन यह सिर्फ आईवॉश



था। आंदोलन खत्म होते ही झारखंड की सरकारी नौकरियां बाहरियों को बेच दी गयीं। अमित मंडल प्रदेश भाजपा मुख्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर रहे थे।

5 लाख नौकरी का वादा कर दिये सिर्फ 3000

अमित मंडल ने कहा कि 2019 के चुनाव में झामुमो ने अपने घोषणापत्र में युवाओं को हर साल 5 लाख सरकारी नौकरी देने का वादा किया था। लेकिन हकीकत यह है कि 4 साल में यह सरकार जेएसएससी और जेपीएससी के माध्यम से तीन हजार से अधिक नियुक्तियां नहीं कर पायी। इन चार सालों में एपीपी पद पर 107 नियुक्तियां हुईं। 129 कृषि

पदाधिकारी, 37 प्रयोगशाला सहायक, 217 आयुष चिकित्सक, 617 जेड और 32 पशु चिकित्सक नियुक्त हुए। बाकी की नियुक्तियां हुए, वे हाइकोर्ट या सुप्रीम कोर्ट में चली गयीं।
रघुवर सरकार में 20 फीसदी से ज्यादा बाहरियों को नहीं मिली थी नौकरी
 मंडल ने कहा कि सवाल ये है कि सरकार सीटों का बंटवारा क्यों कर रही है। दरअसल सरकार ने जेपीएससी और जेएसएससी को अपना कमीशन हाउस बना दिया है। सरकार एजेंसियों के माध्यम से बाहरियों को नौकरी बेच दे रही है। यही कारण है कि ब्लैकलिस्टेड कंपनियों को काम दिया गया है। उन्होंने कहा कि इससे पहले रघुवर दास की सरकार ने 1985 के स्थानीय नीति के तहत 1 लाख से अधिक सरकारी नौकरियां दीं। इन नौकरियों में सिर्फ 15 से 20 फीसदी बाहरियों को जगह मिली थी, जबकि झामुमो सरकार युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ कर रही है।

चेतन देवराज ट्रॉफी: सरला बिरला विवि उपविजेता



रांची (आजाद सिपाही)। 31वीं चेतन देवराज मेमोरियल इस्ट ईंटर टैबिकल क्रिकेट प्रतियोगिता में सरला बिरला विश्वविद्यालय की टीम उपविजेता बनी। बीआइटी मेसरा में खेली जा रही इस प्रतियोगिता में टीम को बीआइटी मेसरा की टीम ने फाइनल में चार विकेट से हराया। रविवार को खेले गये मैच में सरला बिरला की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 21.3 ओवरों में सभी विकेट खोकर 91

रन बनाये। विष्णु ने 17 और अभिषेक ने 16 रनों का योगदान दिया। जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी बीआइटी की टीम ने 17.2 ओवरों में लक्ष्य हासिल कर लिया। विश्वविद्यालय के प्रतिकुलाधिपति विजय कुमार दलान, कुलपति प्रो गोपाल पाठक और मुख्य कार्यकारी पदाधिकारी डॉ प्रदीप कुमार वर्मा ने दोनों टीमों को बधाई देते हुए उन्हें खेल भावना से खेलने के लिए प्रोत्साहित किया।

श्री श्याम परिवार के सदस्यों का समूह खाटू धाम निशान यात्रा के लिए रवाना

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। श्री श्याम परिवार के एक सौ सदस्यों का समूह रविवार को राजधानी एक्सप्रेस से रेल मार्ग से खाटू धाम निशान यात्रा के लिए रांची से प्रस्थान किया। दस सदस्यों का समूह शनिवार को पहले ही रवाना हो चुका है। सोमवार को रिंगस में रात्रि में प्रभु श्री श्याम की पावन ज्योत जलाकर भक्तिमय संकीर्तन का आयोजन होगा। आरती के पश्चात 101 निशान लेकर भक्त रिंगस से 17 किलोमीटर की पदयात्रा कर खाटू धाम में श्री गणेश जी, श्री श्याम प्रभु व श्री हनुमान जी को निशान अर्पित करेंगे। 12 मार्च को जीर्ण माता एवं सालासर बालाजी के दर्शन करेंगे। 13 मार्च को झुझु धाम होते हुए श्री श्याम परिवार वृंदावन के लिए प्रस्थान करेंगे। वहीं 14



मार्च को पूरे दिन वृंदावन धाम में विभिन्न मंदिरों का दर्शन एवं पूजन करेंगे। 15 मार्च को रांची वापस पहुंचेंगे। खाटू धाम निशान पद यात्रा एवं विभिन्न देवस्थान दर्शन पूजन में शंकर लाल, शास्त्री गौरव कुमार, शास्त्री, श्रवण जालान, अशोक धानुका रंजीत गाड़ोदीया, महेश सैन, प्रकाश दालानिया, राजेश

राज्य में रोजगार के लिए वन विभाग की विशेष पहल

रांची (आजाद सिपाही)। राज्य में ऐसे तो कई समस्याएँ हैं लेकिन बेरोजगारी का दंश सबसे ज्यादा है। समय के साथ बेरोजगार नौजवानों की फौज बढ़ती ही चली जा रही है। यही कारण है कि राज्य से लाखों लोग दूसरे राज्यों में रोजगार के लिए पलायन को विवश रहते हैं। इसे देखते हुए वन विभाग ने पहल की है। वन विभाग झारखंड के विभिन्न डैम और झीलें में बोटिंग की व्यवस्था कर रहा है, ताकि डैम और झील घूमने आने वाले लोग बोटिंग कर झारखंड की प्राकृतिक सुंदरता का लुफ्त उठा सकें। साथ ही स्थानीय लोगों को भी रोजगार मिल सके। वन विभाग की ओर से तैयारी शुरू कर दी गयी है।





नितिन गडकरी ने 2500 करोड़ से अधिक की दो राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजना का किया ऑनलाइन शिलान्यास

■ अर्जुन मुंडा ने बिरसा मुंडा टूरिस्ट कॉरिडोर का भी किया शिलान्यास ■ झारखंड प्रगतिशील, समृद्ध और संपन्न राज्य है, सड़कों से विकास को गति मिलेगी

● केंद्र सरकार ने खूटी को दी तीन सौगातें

आजाद सिपाही संवाददाता

खूटी। जनजातीय मामलों और कृषि एवं कल्याण मंत्री अर्जुन मुंडा की पहल पर केंद्र सरकार ने खूटी वासियों को तीन सौगातें दीं। खूटी शहरवासियों की वर्षों पुरानी बाइपास सड़क के साथ ही खूटी के लिए महत्वपूर्ण 2500 करोड़ से अधिक की दो राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजना का सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने रविवार को ऑनलाइन शिलान्यास किया। स्थानीय सांसद सह केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा की उपस्थिति में कचहरी मैदान में आयोजित शिलान्यास कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में रांची के सांसद संजय सेठ, लोहरदगा के सांसद सुदर्शन भगत, खूटी के विधायक नीलकंठ सिंह मुंडा, तोरपा विधायक कोचे मुंडा, पूर्व सांसद पद्म भूषण कड़िया मुंडा और जिला परिषद के अध्यक्ष मसीह गुड़िया शामिल हुए। इस दौरान केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा ने जनजातीय मंत्रालय से बनने वाले बिरसा मुंडा टूरिस्ट कॉरिडोर का भी शिलान्यास किया। शिलान्यास कार्यक्रम को ऑनलाइन संबोधित करते हुए नितिन गडकरी ने विकसित भारत विकसित झारखंड के लिए सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय भारत सरकार



खूटी की वर्षों पुरानी मांग आज पूरी हो रही है: अर्जुन मुंडा

केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा ने प्रधानमंत्री की अगुवाई में मंत्री नितिन गडकरी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि खूटी के लोग वर्षों से बाइपास सड़क निर्माण की मांग कर रहे थे। खूटी की वर्षों पुरानी मांग आज पूरी हो रही है। उन्होंने वर्ष 2014 से पहले के 10 वर्ष और उसके बाद के 10 वर्षों के विकास कार्यों का आकलन लोगों से स्वयं करने की बात करते हुए कहा कि आज विकास के काम तीव्र गति से गुणवत्ता पूर्ण हो रहे हैं। प्रधानमंत्री ने जिन योजनाओं का भी शिलान्यास किया, उनका उद्घाटन भी उन्होंने किया। आज देश में बड़े-बड़े बराज, बिज सड़क आदि का निर्माण तय समय सीमा में हो रहा है। सड़कों का निर्माण तेजी एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से हो रहा है। रिकॉर्ड समय में बनायी गयी सड़कों गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड और लिम्का बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज हो रही हैं। उन्होंने कहा कि बिरसा मुंडा और खूटी की धरती को किसी ने सही पहचान दी, तो वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हैं। प्रधानमंत्री ने भगवान बिरसा मुंडा की जयंती को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाने की घोषणा की, बिरसा की पावन भूमि की मिट्टी को तिलक लगाकर इस पवित्र भूमि से पीएम ने जनमन योजना की शुरुआत कर खूटी को देश दुनिया की मानचित्र पर नहीं पहचान दिलायी। उन्होंने कहा कि आम आदमी को न्याय मिले, आम आदमी को कहीं कोई कठिनाई न हो, इस दिशा में सरकार द्वारा काम किये जा रहे हैं, कृषक समाज के विकास के लिए यह सरकार प्रतिबद्ध है।

द्वारा झारखंड में संचालित हजारों करोड़ रुपये की परियोजनाओं का विस्तार से जानकारी देते हुए कहा कि झारखंड प्रगतिशील, समृद्ध व

संपन्न राज्य है। राज्य में बन रही गुणवत्ता पूर्ण सड़कों के निर्माण से आसपास के क्षेत्रों का तेजी से विकास होगा।

सभी को समान दर से मिले मुआवजा

विधायक नीलकंठ सिंह मुंडा ने भी अपने संबोधन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और सड़क परिवहन राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जब वे

राज्य के प्रथम मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी के मंत्रिमंडल में पथ निर्माण विभाग के मंत्री थे, तब उन्होंने इन सड़कों के निर्माण कार्य का प्रस्ताव बनाकर केंद्र को भेजा था। आज उन्हें इस बात पर प्रसन्नता हो रही है कि जिन सड़कों का प्रस्ताव उन्होंने भेजा था, उनका निर्माण कार्य आज प्रारंभ हो रहा है। उन्होंने निर्माण कार्य के लिए जल्द से जल्द भूमि अधिग्रहण के कार्य को पूरा करने और एक प्रोजेक्ट एक दर के तहत मुआवजे की राशि समान रूप से धुमातन करने की बात कही। इससे पूर्व अतिथियों के कार्यक्रम स्थल में पहुंचने पर पारंपरिक ढंग से उनका स्वागत किया गया। इसके साथ ही अतिथियों को स्मृति चिह्न एवं शॉल प्रदान कर सम्मानित किया गया। केंद्रीय मंत्री कड़िया मुंडा सहित अन्य अतिथियों ने सामूहिक रूप से दीप प्रारंभ किया। इस मौके पर डीसी लोकेश मिश्रा, एसपी अमन कुमार सहित अन्य पुलिस प्रशासनिक अधिकारी, संबंधित विभाग के अधिकारीगण और बड़ी संख्या में खूटी के लोग उपस्थित थे। वर्षों पुरानी बाइपास सड़क निर्माण का शिलान्यास होने पर खूटी के कई लोगों ने स्थानीय सांसद सह केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा की पहल की मुक्त कंठ से प्रशंसा करते हुए सांसद के प्रति आभार जताया।

विधायक ने रातू रोड में कई नाली और पीसीसी पथ निर्माण का शिलान्यास किया



रांची (आजाद सिपाही)। रांची के विधायक और पूर्व मंत्री सोपी सिंह ने कहा कि शहरवासियों को बुनियादी सुविधा बहाल करने के लिए हरसंभव प्रयास किया जा रहा है। आमजन की सहूलियत एवं विकास को लेकर गली-मुहल्लों में पीसीसी पथ, नाली एवं अन्य बुनियादी संरचना का निर्माण रांची विधानसभा क्षेत्र में नियमित रूप से हो रहा है। उन्होंने राजधानी को साफ-सुथरा और प्रदूषण मुक्त बनाए रखने के लिए हरसंभव योगदान का आह्वान किया। विधायक सोपी सिंह ने रविवार को विधायक निधि से रातू रोड के भरतपुरी और अलकापुरी में नाली, आर्यपुरी में नाली, पिस्का मोड में सिन्हा कम्पाउंड में पेबर टाइल्स बिछाने, सुखदेवनगर में नाली निर्माण का शिलान्यास किया। इस मौके पर भाजपा सुखदेवनगर मंडल अध्यक्ष ओमप्रकाश पांडेय, पूर्व पार्षद सुनीता देवी, राकेश शर्मा, अरुण जसूजा, आशीष शर्मा, रनीरज, रवींद्र शर्मा, हरेन्द्र सिंह, जितेंद्र पांडेय, अशोक पांडेय, राजदीप चौरसिया, सतीश मिश्रा, ओम चौधरी, चंदन पटेल, बिंदा बरनवाल मौजूद थे।

अतुलनीय योगदान के लिए पासवा ने महिला वॉलंटियर्स को सम्मानित किया

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड प्रदेश पासवा द्वारा अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर रविवार को को शिक्षा के क्षेत्र में अतुलनीय योगदान के लिए पासवा महिला वॉलंटियर्स को सम्मानित किया गया। डिप्टी पाड़ा कचहरी चौक स्थित डा रामेश्वर उरांव के आवास पर पासवा वॉलंटियर्स को सर्टिफिकेट, डायरी एवं पेन देकर सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में समाजसेवी सह पत्रकार कृतिका तिवारी ने सभी पासवा बच्चियों को सम्मानित किया। रांची महानगर पासवा अध्यक्ष डॉ सुषमा करकेट्टा ने कार्यक्रम का संचालन किया। प्रदेश पासवा अध्यक्ष आलोक कुमार दूबे ने सम्मान समारोह की अध्यक्षता करते हुए कहा पासवा महिला वॉलंटियर्स के सहयोग से पासवा ने प्रतिवर्ष



15000 से अधिक बच्चों को प्रोत्साहन एवं सम्मानित करने का इतिहास रचा। हजारों झारखंड के निजी विद्यालय के शिक्षकों को सम्मानित करने में सहयोग कराया। पूरे राज्य में छत्र सम्मान समारोह एवं शिक्षक सम्मान समारोह आयोजित कर पहली बार पासवा महिला वॉलंटियर के सहयोग से पासवा ने इतिहास बनाया। उनके इस कार्य को लेकर आज इन्हें सम्मानित किया गया।

मुख्य अतिथि समाजसेवी सह पत्रकार कृतिका तिवारी ने कहा आज यहां आकर बहुत अच्छी-अच्छी बातें सुनने को मिला, महिला अब सिर्फ घर में रहने तक सीमित नहीं है, झारखंड में कई लाख ऐसे ग्रुप हैं और 30 लाख ऐसी महिलाएं लाए हैं जो हर क्षेत्र में काम कर रही हैं, किसी भी क्षेत्र में महिलाएं पुरुषों से कम नहीं हैं। सम्मानित होने वाली पासवा वोलंटियर्स में फिजा नसीम, सोनम कुमारी, स्नेहा कुमारी, चारुबाला कुमारी, आसमां परवीन, कहकसा मसूद, सलोनी

कुमारी, रूपा कुमारी, श्रुति कुमारी, अनुष्का कुमारी, स्मृति भारती, तोशी कुमारी, साक्षी प्रिया, शीतल कुमारी, दुर्गा उरांव, अनिशा वर्मा, प्रियम कुमारी, सुहाना कुमारी, राजनंदनी, सोनिया विलूंग, सिरमा लिंडा को सम्मानित किया गया। पासवा महासचिव सह राष्ट्रपति अवाई फलक फातिमा ने कहा आज महिलाओं के सहयोग के बिना देश और हमारा राज्य का विकास अधूरा है, महिलाओं की क्षमता और कौशल को आज पूरी दुनिया नतमस्तक करती है। सम्मान समारोह में सम्मानित हुई पासवान वॉलंटियर्स प्रियम कुमारी ने कहा हम लोगों ने पासवा के साथ काम से ही सीखा है, आज हम भाभा रिसर्च इंस्टीट्यूट मुंबई जा रहे हैं वहीं से हमने सीख कर मुंबई जाने का अवसर प्राप्त हो रहा है।

जब तक एससी, एसटी एवं ओबीसी एकजुट नहीं होंगे समस्याएं बरकरार और विकराल होंगी : डॉ ओम सुधा

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। एससी, एसटी एवं ओबीसी समुदाय की समस्याएं लगभग एक ही तरह का है, जब तक तीनों वर्ग एकजुट होकर नहीं रहेंगे हमारी समस्याएं बरकरार और विकराल होंगी। उक्त बातें रविवार को दिल्ली से आये वरिष्ठ सामाजिक चिंतक डॉ ओम सुधा ने चाइबीएन पब्लिक स्कूल धुवां में राष्ट्रीय ओबीसी मोर्चा द्वारा आयोजित राउंड टेबल कॉन्फ्रेंस में बतौर मुख्य अतिथि रूप में कही। डॉ सुधा ने कहा की तीनों सामाजिक समूह को आपस में मिल-जुल कर रहने से ही समाज का राज्य का और देश का विकास तेजी से होगा।



राजेश गुप्ता राउंड टेबल कॉन्फ्रेंस में 15 सूत्री प्रस्ताव रखा
रांची। राउंड टेबल कॉन्फ्रेंस की अध्यक्षता करते हुए राष्ट्रीय ओबीसी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष राजेश गुप्ता ने कहा कि आज जिस तरह से एससी एसटी ओबीसी वर्ग के सामाजिक संगठन के प्रतिनिधि इसमें शामिल हुए हैं, वह झारखंड के लिए मिल का पत्थर साबित होगा। प्रदेश अध्यक्ष श्री गुप्ता ने राउंड टेबल कॉन्फ्रेंस में 15 सूत्री प्रस्ताव रखा जिसे एक स्वर से ध्वनि मत से पारित किया गया। पारित प्रस्ताव में देश में जातीय जनगणना करने, ईवीएम के बदले बैलट पेपर से चुनाव कराने, सारनाथ कोड लागू करने, उत्तर प्रदेश में 69000 शिक्षक नियुक्ति में आरक्षण घोटाले के विरुद्ध 2 सालों से आंदोलन रख एससी ओबीसी छात्रों को न्याय देने, एससी एसटी ओबीसी के आरक्षण की व्यवस्था को अक्षरतः लागू करने, ओबीसी आरक्षण में असंवैधानिक क्रीमी लेयर मान डंड को हटाने सरकारी, संस्थाओं के निजीकरण पर तुरंत रोक लगाने, सरकारी पदों पर अनुबंध लैटरल एंट्री एवं आउटसोर्सिंग की व्यवस्था समाप्त करने, ओबीसी को प्रमोशन में आरक्षण के लिए संविधान में संशोधन करने एससी-एसटी और ओबीसी के बैकलॉग पदों को भरने मंडल कमीशन के सभी अनुशंसाओं को लागू करने, वन नेशन वन एजुकेशन एंड हेल्थ शामिल है।

विशिष्ट अतिथि झारखंड राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग के

सदस्य रवि कुनूर ने संविधान की पाठ करते हुए कहा संविधान ही

हमारे लिए सुरक्षा का कवच है, इसलिए संविधान को सम्मान देने

के साथ ही एक-एक अनुच्छेद को आत्मसात करने की जरूरत है। विशिष्ट अतिथि डॉ दिलीप सोनी ने कहा की झारखंड सरकार ओबीसी समुदाय के प्रति गंभीर नहीं है सरकार को अभिलंब ओबीसी का आरक्षण बढ़ानी चाहिए और 7 जिले में ओबीसी आरक्षण सनकी गये हैं, उसका भी समाधान जरूरी है वरिष्ठ समाजसेवी नरेश लाल ने निजीकरण का विरोध करते हुए कहा कि निजीकरण से देश कमजोर हो रहा है इसे सरकार को तुरंत बंद कर देना चाहिए। राउंड टेबल कॉन्फ्रेंस को झारखंड अधिवक्ता मंच के अध्यक्ष डॉ रविंद्र कुमार, अधिवक्ता रंजीत महतो, मुनेश्वर रविदास, नरसू दाम गिरिडीह, गोपाल यादव धनबाद, छोटन राम, जागा राम, माला कुजूर, प्रेमा तिरकी में भी अपना विचार रखा। कार्यक्रम में डा शिवानंद काशी, महासचिव अजय मेहता, प्रमोद कुमार सुग्रीव यादव, डॉ भरत ठाकुर, विक्रान्त विश्वकर्मा, अधिवक्ता हरेन्द्र कुमार, अधिवक्ता पंकज रवि, शाहिद सैकडो लोग उपस्थित थे।

हास्य व्यंग कवि सम्मेलन 23 को लगेगा हास्य कवियों का जमावड़ा

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। होली के अवसर पर 23 मार्च को मारवाड़ी भवन में आयोजित हास्य व्यंग कवि सम्मेलन की तैयारियां जोर शोर से किया जा रहा है। कवि सम्मेलन की तैयारियों में हो रही प्रगति के संदर्भ में कवि सम्मेलन आयोजन समिति की एक बैठक समिति के अध्यक्ष अशोक नारसरिया की अध्यक्षता में अग्रसेन भवन में संपन्न हुई। बैठक में अशोक नारसरिया ने होली के अवसर पर 23 मार्च को कवि सम्मेलन आयोजन समिति द्वारा मारवाड़ी भवन में आयोजित हास्य व्यंग कवि सम्मेलन के संदर्भ में विगत बैठक में लिए गए निर्णयों की विस्तृत जानकारी दी। तथा सभी विभागों में किए जा रहे हैं कार्यों की समीक्षा की गई। कार्यक्रम संयोजक सुरेश चंद्र अग्रवाल ने बताया कि कवि सम्मेलन में इस वर्ष देश के कई नामी गिरामी सुप्रसिद्ध हास्य कवि सुरेंद्र शर्मा दिल्ली, अनिल अग्रवंशी, साक्षी तिवारी लखनऊ, राजेश अग्रवाल, दीपक सैनी, ज्ञानी बैरागी, सहित अन्य कई हास्य



कवि भाग लेंगे। उन्होंने बताया कि सभी कवियों का कवि सम्मेलन में आने की स्वीकृति मिल गयी है। जो कि अपने हास्य रस, वीर रस, श्रृंगार रस व्यंग कविता प्रस्तुत कर दर्शकों को हसी के ठहाके की बाँछार के साथ-साथ तीखे वाण कवि का मधुर संगम पेश करेंगे। कवि सम्मेलन में 3000 लोगों की बैठने की व्यवस्था की गई है प्रवेश निःशुल्क है तथा महिलाओं के लिए भी विशेष बैठने की व्यवस्था की गई है। दर्शकों के लिए एलईडी भी मैदान में लगाए जाएंगे। तथा आयोजन स्थल पर फूड काउंटर, चाय, पेयजल काउंटर की व्यवस्था की गई है। बैठक में हास्य व्यंग कवि सम्मेलन को सफल बनाने हेतु 12 विशेष सहयोगी

सदस्यों को विभिन्न विभागों की जिम्मेदारियां दिया गया है। बैठक का संचालन समिति के सचिव अनिल कुमार अग्रवाल एवं धन्यवाद- जापन पवन शर्मा ने की। समिति की अगली बैठक 15 मार्च को होगी। उक्त जानकारी देते हुए समिति के प्रवक्ता संजय सराफ ने बताया कि बैठक में-ललित कुमार पोद्दार, विनोद कुमार जैन, सुरेश चंद्र अग्रवाल, पवन शर्मा, पवन पोद्दार, अनिल अग्रवाल, मनोज चौधरी, संजय सराफ, कौशल राजगढ़िया, राजेश भरतिया, निर्भय शंकर हरित, अमित चौधरी, विकास अग्रवाल, सौरभ बजाज, रौनक झुनझुनवाला, मनीष लोधा, सनी टिवडेवाला, अमित बजाज, आदि उपस्थित थे।

रांची (आजाद सिपाही)। पीएनबी मंडल कार्यालय रांची में पीएनबी प्रेरणा ग्रुप के अध्यक्ष पूनम श्रीवास्तव की अध्यक्षता में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन किया गया। इसमें इसके अन्य सदस्य ओशी, खुशबू, हनी, रुना झा, ललित, कविता आदि उपस्थित थे।



इटकी प्रखंड में भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ी चापानल योजना

आजाद सिपाही संवाददाता

इटकी। प्रखंड क्षेत्र में चापानल योजना भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ चुका है। सरकार की ओर से गांवों-कस्बों में लोगों को चापानल से पेयजल उपलब्ध करने की योजना विफल होती जा रही है। अधिकृत विभागीय जानकारी के अनुसार प्रखंड में अबतक करीब 900 चापानल लगाये जा चुके हैं, जो विभाग की अनदेखी के कारण प्रायः सभी खराब पड़े हैं। ग्रामीणों के अनुसार अधिकांश चापानलों की खुदाई रात में की गई। अन्य कार्यों में भी भारी अनियमितता बरती गयी है, जिससे चापानल कुछ ही दिनों में खराब हो गये हैं। कहीं पर चापानल के प्लेटफार्म पर जानवर को बांधा जाता है तो कहीं पुआल रखे जा रहे हैं। प्रति वर्ष चापानल की मरम्मत के लिए लाखों रुपये आवंटित होते हैं। पर विभाग द्वारा खराब चापानलों की



मरम्मत नहीं की जाती है। लोगों का कहना है कि कुआं सहित अन्य जलश्रोतों का जलस्तर काफी नीचे चला गया है। अब कुआं सूखने की कगार पर है। पानी की समस्या को दूर करने के लिए लोगों को चापानल पर ही निर्भर रहना पड़ेगा। विभाग समय रहते खराब चापानलों को ठीक नहीं कराया है तो ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल की समस्या भयावह रूप ले सकती है।

विस्थापित मोर्चा ने रोहिणी प्रबंधन को सौंपा ज्ञापन



खलारी (आजाद सिपाही)। रैयत विस्थापित मोर्चा रोहिणी शाखा ने रोहिणी परियोजना को एक ज्ञापन सौंपा है। इससे पूर्व रैयत विस्थापित की बैठक हुई। जिसके बाद रोहिणी परियोजना पदाधिकारी जेके सिंह को एक ज्ञापन सौंपा गया है। ज्ञापन में रोहिणी करकट्टा ओसीपी परियोजना अन्तर्गत रैयती जमीन पर प्रति एक एकड़ पर नौकरी देने, रोहिणी-करकट्टा ओसीपी परियोजना अन्तर्गत रैयती जमीन का मुआवजा प्रति एकड़ 50 लाख मुआवजा देने रैयतों को विस्थापन निति के तहत पुर्नवास की व्यवस्था किया जाय एवं सात डीसमील परिवार के हर सदस्य को जमीन के साथ बंदोबस्ती जमाबंदी करने, रैयत ग्रामीणों को रैयत विस्थापित पहचान प्रमाण-पत्र दिया जाए, पुर्नवास स्थल पर रैयतों के लिए सरना स्थल, देवी मंडप, करमा पुजा, सरना, मसना, स्कूल, अस्पताल, खेल मैदान दिया जाय, कोयला खनन करने के बाद उक्त भूमि समतलीकरण कर पुनः वृक्षारोपण करने, आउटसोर्सिंग खनन कर्मन्नी में रैयत विस्थापित ग्रामीणों को 75 प्रतिशत रोजगार के लिए भागीदारी सुनिश्चित किया जाए। जिन रैयतों ग्रामीणों को कम जमीन के अभाव में जिनको नौकरी नहीं मिल पाया वैसे रैयतों ग्रामीणों को वैकल्पिक रोजगार की व्यवस्था करने, आर एण्ड आर पॉलिसी के तहत विस्तारीकरण में नौकरी एवं मुआवजा रैयत खतियानी ग्रामीण के द्वारा चिन्हीत कर एवं सहमति के बाद ही नौकरी एवं मुआवजा दिया जाए, नैरमजरूआ जमीन के एवज में रैयत ग्रामीणों को रोहिणी परियोजना विस्तारीकरण के दौरान प्रभावित परिवारों को घर का उचित मुआवजा प्रत्येक 6 लाख से बढ़ाकर 10 लाख भुगतान करने, साथ ही साथ उन्हें भी पुर्नवास देने, रोहिणी परियोजना के अन्तर्गत मौजा-तुमांग दुब पेट-पेट के ग्रामिणों का घर सर्वे कर उचित मुआवजा देने, साथ ही पुर्नवास स्थल आर आर साइट को सुनिश्चित करने, परियोजना विस्तारीकरण में कुल अधिग्रहित जमीन का नक्शा उपलब्ध करने की मांग की गई है। ज्ञापन सौंपने वाले लोगों में मोर्चा के रोहिणी शाखा अध्यक्ष मुकेश कुमार, सचिव अमृत भोगता, लहसन भोगता, शिवनाथ भोगता, लालमणि भोगता, रवि भोगता, रिड्डु गंडू, छोटन भोगता, मुरारी मेहता आदि शामिल थे।

कोयला मजदूरों के हक और अधिकार पर चर्चा, कई लोगों ने थामा यूनियन का दामन



पिपरवार (आजाद सिपाही)। राष्ट्रीय कॉलियरी मजदूर यूनियन इंटक की ओर से पिपरवार क्षेत्रीय कार्यालय में होली मिलन सह सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें बतौर मुख्य अतिथि झारखंड प्रदेश महिला कांग्रेस की अध्यक्ष सह इंटक केन्द्रीय उपाध्यक्ष गुंजन कुमारी सिंह के अलावा सीएचपी सीपीपी पीओ डी कुमार, रैयत विस्थापित मोर्चा के केन्द्रीय उपाध्यक्ष इकबाल हुसैन, विधायक प्रतिनिधि राजेंद्र गुला, कांग्रेस चतरा जिला महासचिव अब्दुल कुदुस, एसटी एससी ओबीसी काउंसिल के अध्यक्ष रतन लाल, कांग्रेस प्रदेश सचिव पिकी सिंह सहित कई गणमान्य लोग शामिल हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता यूनियन के अध्यक्ष कासिम उर्फ मुन्ना और संचालन सचिव विद्यापति सिंह ने किया। सबसे पहले कोयला मजदूरों की कई ज्वलंत समस्याओं पर चर्चा की गई। वक्ताओं ने कहा कि कोयला मजदूरों के हक और अधिकार के लिए इंटक का संघर्ष जारी है। देशभर में इंटक ने मजदूरों के आवाज को उठाने का काम किया है। वर्तमान में मजदूरों के हक और अधिकार एवं उनकी समस्याओं के समाधान को लेकर

इंटक लगातार प्रयास कर रही है और प्रबंधन पर दबाव बना रही है। कार्यक्रम के दौरान सभी कोयला मजदूरों को एकजुट होने का आह्वान किया गया। इस दौरान सीसीएल से रिटायर हुए यूनियन के विद्यापति सिंह, अब्दुल अंसारी और कार्यकर्ताओं को भी सम्मानित किया गया। वहीं, दूसरे यूनियन को छोड़कर आरसीएमयू का दामन थामने वाले कामगारों को भी सम्मानित किया गया। अंत में सभी लोगों ने एक दूसरे को अबीर गुलाल लगाकर होली पर्व की बधाई दी और एक साथ बैठकर सामूहिक भोज का आनंद उठाया। इस मौके पर अब्दुल अंसारी, सरवन कुमार, सुमन मिश्रा, जुवेर आलम, मंसूर आलम, शंकर मुखर्जी, संतोष दास, भोला सिंह, सलीम जावेद, मिथिलेश शर्मा, विष्णु प्रसाद, नरेश सेठ, मुजाहिद इमाम, मोहम्मद आलम, अमरजीत सिंह, एस्के सिंह, नकुल प्रसाद, मनोज सिंह, तिलक राम, शाहाबुद्दीन अंसारी, वासुदेव साव, जगदेव प्रसाद, शमसुद्दीन अंसारी, आनन्द मुंडा, प्रयाग महतो आदि मौजूद थे।

समेकित व जैविक खेती को बढ़ावा देने की जरूरत: डॉ एमएस मल्लिक

अर्जुन मुंडा की पहल पर आयोजित कार्यक्रम से जनजाती लोगों का जीवन स्तर ऊंचा उठाने में मिलेगी मदद : परमेश्वरी सांडिल

आजाद सिपाही संवाददाता

तमाड़। बुंदू प्रखंड के बारहात गांव में जैविक कृषि एवं समेकित कृषि प्रणाली को प्रोत्साहन सह किसानों के बीच कृषि यंत्र वितरण समारोह का आयोजन किया गया कार्यक्रम का आयोजन केन्द्रीय कृषि मंत्रालय की ओर से मंत्री अर्जुन मुंडा की पहल पर की गई। जिसका संचालन रांची-कांके के बिरसा कृषि विश्वविद्यालय की ओर से किया गया। इसमें आसपास के सैकड़ों किसानों को



बीज, कृषि उपकरण, जैविक खेती से संबंधित सामान बांटे गए। इस अवसर पर उपस्थित मुख्य अन्वेषक डॉ एमएस मल्लिक ने बताया गांव-गांव में समेकित कृषि और जैविक खेती को बढ़ावा दें जनजाति किसानों के जीवन यापन में आर्थिक सुधार कर उनके स्तर

को ऊंचा उठाने का पूरे झारखंड में अभियान चल रहा है जिससे कृषि शिक्षा को बढ़ाया जा सके। इससे पलायन कम होगा। वहीं, बुंदू



जिला परिषद सदस्य परमेश्वरी सांडिल ने कहा कि कृषि केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा की पहल पर यह कार्यक्रम का आयोजन किया गया

है। इससे जनजाति लोगों का जीवन स्तर ऊंचा उठाने में मदद मिलेगी। इस अवसर पर तारा चंद्र सिंह मुंडा, मुखिया रेखा देवी, संगीता देवी, चुनकी देवी, बिमला देवी, बुधनी देवी, ठाकुर मुंडा, हेमंत मुंडा, पिकी देवी, राणीबाला देवी, सावित्री देवी, रंभा देवी, ऋषिकेश मुंडा, पार्वती हससा, जीत मोहन ठाकुर, दिवाकर प्रजापति, दिलीप भगत, माईकल मुंडा आदि रहे। इस अवसर पर सहिशाओ की भी सम्मानित किया गया।

अपील : ईचागढ़ में आजसू बुद्धिजीवी मंच की बैठक, विभिन्न मुद्दों पर चर्चा

हरेलाल महतो की अगुवाई में होगा ईचागढ़ विधानसभा की दिशा-दशा में सुधार : डोमन

आजाद सिपाही संवाददाता

ईचागढ़। प्रखंड के चोगा सांसद भवन में आजसू बुद्धिजीवी मंच की बैठक हुई। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में आजसू बुद्धिजीवी मंच के अध्यक्ष डोमन सिंह मुंडा के अलावा महासचिव डॉ मुकुंद मेहता, आजसू के केन्द्रीय महासचिव हरेलाल महतो आदि शामिल थे। बैठक में बुद्धिजीवी मंच के विस्तार को लेकर चर्चा की गई। इसके अलावा लोकसभा और विधानसभा चुनाव के लिए



युनाव की तैयारियों को लेकर बैठक में शामिल आजसू बुद्धिजीवी मंच के सदस्य।

बुद्धिजीवी मंच के पदाधिकारियों को दायित्व सौंपा गया। इस दौरान

बैठक को संबोधित करते हुए डोमन सिंह मुंडा ने कहा कि

बुद्धिजीवी वर्ग को अपनी राजनीतिक जिम्मेदारियों को समझना होगा। समाज को मार्ग दिखाने के लिए बुद्धिजीवियों की भूमिका निर्णायक होती है। युवा पीढ़ी के जोश को समाज निर्माण के उपयोग में लेना है, इसके लिए बुद्धिजीवी वर्ग को ही मार्ग दिखाना होगा। डोमन सिंह मुंडा ने कहा कि हरेलाल महतो लगातार समाज सेवा के कार्यों में रुचि रखकर काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हरेलाल महतो के नेतृत्व में

आजसू मजबूत हुआ है। आने वाले समय में हरेलाल महतो के नेतृत्व में ईचागढ़ विधानसभा क्षेत्र की दिशा और दशा में सुधार होगा। इस मौके पर वैद्यनाथ महतो, योगेंद्र नाथ महतो, गुरुचरण महतो, कमलाकांत महतो, उमाकांत महतो, सत्यनारायण महतो, गुरुपद सोरेन, पुलक सथपति, मनोरंजन ठाकुर, गौरी शंकर लायक, गोपेश महतो, भगत सिंह मुंडा, जीतमणि महतो, किरीटी महतो आदि थे।

आम्रपाली में हुई त्रिपक्षीय सुरक्षा समिति की बैठक, सुरक्षा पर हुई चर्चा

आजाद सिपाही संवाददाता

पिपरवार। पिपरवार क्षेत्र के बचरा स्थित मंगलम ऑफिसर्स क्लब में त्रिपक्षीय सुरक्षा समिति की बैठक हुई। जिसकी अध्यक्षता आम्रपाली चंद्रगुप्त क्षेत्र के महाप्रबंधक अमरेश कुमार और संचालन कार्मिक प्रबंधक आलोक कुमार ने किया। मुख्य अतिथि के रूप में डायरेक्टर माइन्स सेफ्टी माईनिंग आफताब अहमद और विशिष्ट अतिथि में डायरेक्टर माइन्स सेफ्टी मैकेनिक रत्नाकर सांकी, डायरेक्टर माइन्स सेफ्टी इलेक्ट्रिकल विकास महेश्वरम, डीडीएमएस विनीत चौरसिया, अजेश मोहम्मद, हनुमंत राव, रविंद्र बोधा, जीएम एसएंडआर सुनील कुमार सिंह, आईएसओ राजेश कुमार उपस्थित



थे। बैठक में महाप्रबंधक अमरेश कुमार ने सभी अतिथियों का बुके देकर स्वागत किया। बैठक की शुरुआत कोल इंडिया की कारपोरेट गीत के बाद सामुहिक रूप से द्वीप प्रज्वलित कर किया गया। इस दौरान कोयला उद्योग में शहीद कामगारों को दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी गई। जिसके बाद प्रोजेक्ट स्क्रीन के माध्यम से क्षेत्र के भौगोलिक

स्थिति के बारे में विस्तार से जानकारी दी। बैठक में कोयला खदान और मजदूरों की सुरक्षा से संबंधित कई बातों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक को संबोधित करते हुए डायरेक्टर माइन्स सेफ्टी आफताब अहमद ने कहा कि सीसीएल के सभी क्षेत्रों में सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित कर सुरक्षा से संबंधित बातों की समीक्षा की जा रही है।

कोयला खदान में काम करने वाले मजदूरों की सुरक्षा को लेकर चर्चा की जा रही है। उन्होंने कहा कि मजदूरों की सुरक्षा कंपनी की पहली प्राथमिकता है। शून्य दुर्घटना के साथ बेहतर उत्पादन करने के लिए सभी को जागरूक किया जा रहा है। इस मौके पर जीएम अमरेश कुमार, पीओ पीके सिन्हा, पवन गुप्ता सहित श्रमिक प्रतिनिधियों में जेबीसीसीआई सदस्य लखनलाल महतो, सीसीएल सेफ्टी बोर्ड सदस्य रविंद्रनाथ सिंह, एसके चौधरी, अरुण कुमार सिंह, निर्गुण महतो, राजेश सिंह, विकास कुमार, शशि भूषण सिंह, खुशी लाल महतो सहित कई अधिकारी और श्रमिक प्रतिनिधि मौजूद थे।

केन्द्रीय कार्यकारिणी समिति की बैठक में बनायी गयी चुनावी रणनीति

तैयारी में जुटें कार्यकर्ता, खूंटी में मजबूती से चुनाव लड़ेगी झारखंड पार्टी : एनोस एक्का

आजाद सिपाही संवाददाता

खूंटी। झारखंड पार्टी के केन्द्रीय अध्यक्ष और राज्य के पूर्व ग्रामीण विकास मंत्री एनोस एक्का ने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे लोकसभा चुनाव की तैयारी में जुट जाएं। पार्टी पूरी मजबूती के साथ खूंटी संसदीय क्षेत्र में चुनाव लड़ेगी। एनोस एक्का ज्ञापन की रविवार को यहां आयोजित केन्द्रीय कार्यकारिणी समिति की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। एनोस एक्का ने कहा कि आज झारखंड की स्थिति बहुत ही दयनीय है। झारखंड की स्थिति को सुधारने के लिए हम सभी को इस चुनाव में यहां के जन-जन और माटी से शुरुआत से ही जुड़ाव में रहे झारखंड पार्टी को आगे लाना है और जल जंगल जमीन की लड़ाई को जीतना है। उन्होंने सभी जिला अध्यक्षों सचिवों एवं कार्यकर्ताओं से अपने-अपने जिलों में योग्य एवं जीतने लायक उम्मीदवार का चयन करने की बात कही। उन्होंने कहा



कि सिमडेगा लोहरदगा में ज्ञापन की स्थिति अच्छी है। अब हम लोगों को खूंटी, तोरपा और सरयंकेला, खरसावां, सिंहभूम, संथाल परगना, हजारीबाग, गुमला, चाईबासा आदि जगहों पर ध्यान देना होगा। झारखंड पार्टी के प्रधान महासचिव अशोक भगत ने कहा कि हमें हर हालत में सभी जिलों पर ध्यान देना होगा और लोकसभा तथा विधानसभा चुनाव में पार्टी प्रत्याशी की जीत सुनिश्चित हो सके, ऐसा प्रयास करना होगा।

केन्द्रीय उपाध्यक्ष अर्पणा हंस ने कहा कि खूंटी में योग्य उम्मीदवार को लाने की आवश्यकता है। केन्द्रीय कार्यकारी अध्यक्ष अजीत कुमार ने कहा कि इस साल होनेवाले लोकसभा और विधानसभा के चुनाव में ज्ञापन एक नया इतिहास बनाएगी। जिला महासचिव योगेश वर्मा ने मजबूती के साथ चुनाव लड़ने की बात कही। बैठक में विभिन्न जिला के अध्यक्ष एवं सचिव ने भी चुनाव में बेहतर कार्य के लिए अपने-अपने

विचार व्यक्त किए। बैठक में मोहम्मद रिजवान अहमद, खूंटी के जिला महासचिव योगेश चित्रशरण सिंघु, केन्द्रीय उपाध्यक्ष मोहम्मद एनुअल अंसारी, केन्द्रीय सचिव उमेश कुमार पांडे, दुर्गा प्रसाद, एसएस दास, मनोज पहान, महेश जमुदा, दुर्गा प्रसाद जमुदा, केन्द्रीय संगठन सचिव पवन कुमार, खुशीदा आलम आदि केन्द्रीय समिति के सदस्यों के साथ भी जिला स्तर के पदाधिकारी भी उपस्थित थे।

महत्वपूर्ण न्यूज

तमाड़ विधायक ने बुंदू में किया चार प्रमुख सड़कों के सुदृढिकरण का शिलान्यास

बुंदू (आजाद सिपाही)। प्रखंड में मुख्यमंत्री ग्राम सड़क सुदृढिकरण योजना के तहत रविवार को चार प्रमुख सड़कों तंजु से कराम्बू, बुंदू से गुदुहात, सुमानडीह से डाटमदा और झारखंड बाजार से एडेकेया तक सुदृढिकरण कार्य का शिलान्यास तमाड़ विधायक विकास कुमार मुंडा ने किया गया। इन सड़कों का निर्माण कुल 9.5 करोड़ रुपये की लागत से किया जाएगा। इस मौके पर तमाड़ विधायक के साथ बुंदू प्रमुख राजकुमार बिड़िया, उमेश महतो, लाल मोहन मुंडा, नील मोहन मुंडा, विभाग के एसडीओ अनजय राम, अरविंद कुमार, मुन्ना महतो, परीक्षित राज महतो सहित कई लोग शामिल थे।

फुटबॉल से मिलती है जीने की प्रेरणा : विनय महतो

राहे (आजाद सिपाही)। प्रखंड के सताकी भेलवाटीकर गांव में रविवार को एक दिवसीय फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा ग्रामीण जिला उपाध्यक्ष विनय महतो धीरुज एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में उपप्रमुख उमेश महतो शामिल हुए। फाइनल मैच काउंटदाउन अतिथियों ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया। प्रतियोगिता का फाइनल मैच एच आर इंटरप्राइजेज और मिलीजुली भाई-भाई के बीच खेला गया। एचआर इंटरप्राइजेज ने खेल के दौरान 1-0 से बढ़त बना ली। टूर्नामेंट को संबोधित करते हुए विनय महतो धीरुज ने कहा कि खिलाड़ियों को खेल भावना से खेलना चाहिए जीत सुनिश्चित है। पांच परगना के खिलाड़ी देश विदेश में क्षेत्र का नाम रोशन कर रहे हैं। फुटबॉल के खेल से जीने की प्रेरणा मिलती है। प्रतियोगिता के फाइनल में विजेता टीम को धीरुज महतो ने 50 हजार रुपये एवं उपविजेता टीम को उप प्रमुख उमेश महतो एवं मुखिया पांडू मुंडा ने 40 हजार रुपए नगद राशि देकर सम्मानित किया गया। उपप्रमुख उमेश महतो ने पहले मैदानी गोल करने वाले खिलाड़ी को संतोना राशि देकर सम्मानित किया। मैले में हूरी बूगी डांस का भी आयोजन किया गया था। मौके पर राजेश महतो, पांडुराम मुंडा, पशुपतिनाथ महतो, दुर्लभ महतो, सुष्टिधर महतो, चंचन महतो, हितेश कुमार, पंकज, फलीन, किशोर मेहता, श्याम आदि मौजूद थे।

झामुमो ने निकाली न्याय यात्रा

ईचागढ़ (आजाद सिपाही)। प्रखंड क्षेत्र में रविवार को पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी के प्रतिवाद और रिहाई की मांग को लेकर झामुमो ईचागढ़ प्रखंड कमेटी की ओर से जुलूस की शक्ति में न्याय यात्रा निकाली गई। इसमें ईचागढ़ के विधायक सबिता महतो उपस्थित हुए। वहीं विधायक सबिता महतो ने कहा कि केंद्र सरकार के इशारे पर हमारे लोकप्रिय हेमंत सोरेन को झूठे केस में फंसाया गया है, जो सारसर गलत है। उन्होंने मांग की कि पूर्व मुख्यमंत्री को जल्द से जल्द रिहा किया जाए। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से विधायक सबिता महतो, प्रखंड अध्यक्ष निताई उरांव, सचिव अभय यादव, अघर महतो, पशुपति बागची, लखिनारायण सिंह मुंडा, हाकीम महतो, हरेंद्र महतो सहित सैकड़ों झामुमो कार्यकर्ता उपस्थित थे।

कल्याणपुर में मना अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस

पिपरवार (आजाद सिपाही)। सीसीएल पिपरवार क्षेत्र के कल्याणपुर गांव में रविवार को अन्तरराष्ट्रीय महिला दिवस घूमघाम के साथ मनाया गया। इस मौके पर विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजद महिला मोर्चा की चतरा जिला अध्यक्ष श्रद्धा देवी एवं विशिष्ट अतिथि के कल्याणपुर पंचायत के मुखिया महेश मुंडा, राजद सिमरिया प्रखंड अध्यक्ष गुड्डु आलम, जीएमएम केन्द्रीय सदस्य सरोज देवी, यूसीडिब्ल्यू अशोक परियोजना के सचिव अरविंद शर्मा, पूर्व प्रमुख सीतारााम साव, मोहम्मद रहमतुल्लाह सहित कई गणमान्य लोग मौजूद थे।

घरेलू हिंसा के मामलों में वृद्धि

योजनाओं को शुरू करके महिलाओं को सशक्त बनायें, ताकि महिलाएं विभिन्न विषयों में अपनी जगह बनाने में सक्षम हो सकें, जिसके लिए केंद्र सरकार उनकी बेहद तरीके से लिए रास्ते बना कर हरसंभव प्रयास कर रही है, लेकिन प्रार्थमिकता अच्छी शिक्षा प्रदान करने पर होनी चाहिए। किसी भी चीज से पहले घर, बाहर और कार्यस्थल पर महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने पर जोर दिया जाना चाहिए। जब तक लड़कियां/महिलाएं खुद को सुरक्षित महसूस नहीं करेंगी, तब तक वे कुछ नहीं कर पायेंगी। आजकल हर दूसरे दिन दुष्कर्म की घटनाएं हो रही हैं और अपराधी बेखौफ घूम रहे हैं। दुख की बात है कि बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ, हरियाणा की आपकी बेटी, हमारी बेटी योजना, सभी कागजों में हैं। लड़कियों के खिलाफ क्रूरता की खून जमा देने वाली घटनाएं योजना सामने आती हैं और

घरेलू हिंसा एक ऐसा विषय है, जिसे बहुत कम लोग स्वीकार करना या इसके बारे में बोलना पसंद करते हैं। हमारे घरों में पितृसत्ता व्याप्त है और महिलाओं को घर में कूतरा, दुर्व्यवहार और अधीनता का सामना करना पड़ता है।

प्रतिनिधित्व बेहद कम है। वर्तमान में प्रतिनिधित्व नाममात्र का है। संसद ने हाल ही में विधानसभाओं में 33 फीसदी आरक्षण का बिल पारित किया है, जिसे सभी ने स्वीकार कर लिया है। इसके अलावा महिलाएं समुदाय की जरूरतों को बेहतर ढंग से जानती हैं और कोई भी समाज जो महिलाओं को बाहर कर देता है, वह आधी से ज्यादा प्रतिभा, क्षमता और उसके पास मौजूद संसाधनों को बाहर कर देता है। लेकिन महिलाओं द्वारा आगे बढ़ाये गये हर कदम को पुरुष उन्हें आधा कदम पीछे धकेलने में कामयाब हो जाते हैं। शीर्ष नेतृत्व के स्तर पर लैंगिक समानता को सुनिश्चित करने और बढ़ावा देने के लिए अभी भी काफी काम करने की जरूरत है। इन सबके बावजूद घरेलू हिंसा के मामलों में वृद्धि हुई है और महिलाओं के खिलाफ अपराध में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जो कि एक बड़ी समस्या प्रतीत होती है। घरेलू हिंसा एक ऐसा विषय है, जिसे बहुत कम लोग स्वीकार करना या इसके बारे में बोलना पसंद करते हैं। हमारे घरों में पितृसत्ता व्याप्त है और महिलाओं को घर में कूतरा, दुर्व्यवहार और अधीनता का सामना करना पड़ता है। हमें एक समतामूलक समाज बनाने की जरूरत है। पुरुषों और महिलाओं दोनों को नारीवादी होने की जरूरत है, क्योंकि नारीवादी वह व्यक्ति है, जो पुरुषों और महिलाओं की समानता में विश्वास करता है। अपनी ही महिलाओं को कमजोर और अक्षम बनाना दुखद है। कोई राष्ट्र अपनी जनसंख्या के लगभग आधे अनुपात को अपने अधीन करके कैसे प्रगति कर सकता है?

अभिमत आजाद सिपाही

स्वयं सहायता समूह की सदस्य-नमो ड्रोन दीदियां भारत में कृषि नवाचार की पथ प्रदर्शक

चरणजीत सिंह और गजानन रौता

भारत ने अपनी खाद्य प्रणाली को 1960 के दशक के मध्य में अत्यधिक कमी वाली प्रणाली से बदल कर अब आत्मनिर्भर और अधिशेष वाली प्रणाली में बदल दिया है। भारत की बढ़ती आबादी को खिलाना भविष्य में एक बड़ी चुनौती बनी रह सकती है, क्योंकि जलवायु परिवर्तन की चुनौतियां भूमि, जल और वायु जैसे प्राकृतिक संसाधनों की गुणवत्ता को प्रभावित कर रही है। भारत जहां ऐसी चुनौतियों से जूझ रहा है, वहीं कृषि क्षेत्र तकनीकी प्रगति से प्रेरित एक परिवर्तनकारी यात्रा से गुजर रहा है।

दूसरी चुनौती किसानों की आय बढ़ाने की है और इसके लिए उन्नत कृषि प्रौद्योगिकियों को अपनाना ही आगे बढ़ने का रास्ता है। इसमें खेती में क्रांति लाने, इसे अधिक कुशल, लाभकारी और टिकाऊ बनाने की क्षमता है। खेती में लागत कम करने वाली और उत्पादकता बढ़ाने वाली कृषि मशीनीकरण से एआइ-संचालित फसल निगरानी तक, डेटा-संचालित निर्णय लेना और फसल सलाहकार सेवाएं, खेती की दक्षता और उसकी स्थिरता को बढ़ाने की क्षमता रखती हैं। वास्तव में, भारत का कृषि उद्योग एक बड़े तकनीकी परिवर्तन के शिखर पर है।

ड्रोन प्रौद्योगिकी : भारतीय कृषि में बदलाव की संभावनाएं: भारत में कृषि क्षेत्र में ड्रोन या मानव रहित हवाई वाहन तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं। इसके अलावा, भारत सरकार कृषि में ड्रोन के उपयोग को विशेष रूप से फसल मूल्यांकन, भूमि रिकॉर्ड के डिजिटलीकरण और कीटनाशकों तथा पोषक तत्वों के छिड़काव के लिए सक्रिय रूप से बढ़ावा दे रही है। इसके लिए इकोसिस्टम के निर्माण के लिए सरकार ने निम्नलिखित प्रमुख कदम उठाये हैं:-

उदार ड्रोन नियम, 2021: ड्रोन के उपयोग के लिए नियमों को आसान बनाते हुए इन नियमों को 25 अगस्त, 2021 को अधिसूचित किया गया था। ड्रोन उद्योग में स्वदेशी विनिर्माण और विकास को बढ़ावा देने के लिए ड्रोन और ड्रोन घटकों के लिए उत्पादन-लिंक प्रोत्साहन योजना। कृषि यंत्रिकरण पर उप-मिशनी प्रशिक्षण और परीक्षण संस्थानों, आइसीएआर संस्थानों, कृषि विज्ञान केंद्रों और राज्य कृषि विध्वंसिधालयों को कृषि ड्रोन की लागत का 100 प्रतिशत या 10 लाख रुपये, जो भी कम हो, का अनुदान



प्रदान किया जाता है।
कस्टम हायरिंग सेंटर और हाई-टेक हब: मौजूदा कस्टम हायरिंग सेंटर ड्रोन खरीदने के लिए ड्रोन की मूल लागत का 40 प्रतिशत (4 लाख रुपये तक) की वित्तीय सहायता प्राप्त कर सकते हैं। किसानों की सहकारी समितियों, एफपीओ और ग्रामीण उद्यमियों द्वारा स्थापित नए कस्टम हायरिंग सेंटर अपनी मशीनरी परियोजनाओं के हिस्से के रूप में ड्रोन को शामिल कर सकते हैं। ड्रोन आयात नीति 9 फरवरी 2022 कंप्लीटली-बिल्ट-अप, सेमी-कॉम्प-डाउन, या कंप्लीटली-कॉम्प-डाउन रूप में ड्रोन के आयात पर रोक लगाती है, जबकि पूरी तरह से असेंबल किये गये ड्रोन का आयात प्रतिबंधित है, ड्रोन घटकों के आयात पर प्रतिबंध नहीं लगाया गया है। ड्रोन शक्ति पहल की घोषणा बजट 2022 के दौरान की गयी थी। इसका उद्देश्य भारत में स्टार्ट-अप के माध्यम से ड्रोन को एक सेवा के रूप में बढ़ावा देना है।

ड्रोन (संशोधन) नियम, 2022: 11 फरवरी, 2022 को ड्रोन पायलट लाइसेंस की आवश्यकता को समाप्त कर दिया गया।
नमो ड्रोन दीदी योजना : प्रधानमंत्री ने 77वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर अपने संबोधन में कहा था, हम स्वयं सहायता समूह से जुड़ी महिलाओं को ड्रोन उड़ाने और ड्रोन की मरम्मत करने के लिए प्रशिक्षित करेंगे। सरकार हजारों महिला स्वयं सहायता समूहों को ड्रोन प्रदान करेगी। तदनुसार, महिला स्वयं सहायता समूहों को ड्रोन उपलब्ध कराने के लिए एक नयी केंद्रीय योजना 'नमो ड्रोन दीदी' की परिकल्पना की गयी।

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 2024-25 से 2025-26 की अवधि के लिए 1261 करोड़ रुपये के परिचय के साथ इस योजना को मंजूरी दी।
योजना के उद्देश्य: खेतों की बेहतर दक्षता, बढ़ी हुई फसल उपज और संचालन की कम लागत के लिए कृषि क्षेत्र में उन्नत प्रौद्योगिकी को बढ़ावा देना डेटा-एनआरएलएम के तहत प्रचारित महिला स्वयं सहायता समूहों को ड्रोन सेवा प्रदाताओं के रूप में सशक्त बनाना, क्योंकि वे सामूहिक कामकाज के लिए, प्रभावी जमीनी स्तर के संस्थान के रूप में उभरें हैं। डेटा-एनआरएलएम के तहत प्रचारित महिला स्वयं सहायता समूहों को उनकी आय बढ़ाने के लिए व्यवसाय के अवसर प्रदान करना। ग्रामीण रोजगार और वित्तीय समावेशन के अवसरों को बढ़ाना। नैनो-उर्वरकों के उपयोग को प्रोत्साहित करना और कीटनाशकों तथा उर्वरकों के उपयोग को अनुकूलित करना।
योजना की मुख्य विशेषताएं: महिला स्वयं सहायता समूहों को ड्रोन का प्रवधान: चयनित महिला स्वयं सहायता समूहों को तीन वर्षों (2023-24 से 2025-26) में 15,000 ड्रोन प्रदान किये जायेंगे।
बड़ी उर्वरक कंपनियों के साथ सहयोग: वर्ष 2023-24 में बड़ी उर्वरक कंपनियों द्वारा अपने संसाधनों का उपयोग करते हुए 500 ड्रोन उपलब्ध कराये जायेंगे। वर्ष 2024-25 और 2025-26 के दौरान नमो ड्रोन दीदी योजना के तहत 14,500 ड्रोन वितरित किये जायेंगे।
पैकेज वितरण: महिला स्वयं सहायता समूहों को ड्रोन एक व्यापक पैकेज के रूप में प्रदान किया जायेगा। इसमें यह सुनिश्चित किया जायेगा कि महिला स्वयं सहायता समूहों के पास सभी आवश्यक सामान और सहायक उपकरण हों।
वित्तीय पैटर्न: केंद्रीय वित्तीय सहायता: केंद्रीय वित्तीय सहायता के तहत ड्रोन और संबंधित सहायक उपकरण या सहायक शुल्क की लागत का 80 प्रतिशत या अधिकतम 8 लाख रुपये तक प्रदान किया जायेगा।
महिला स्वयं सहायता समूहों के

क्लस्टर लेवल फेडरेशन द्वारा ऋण व्यवस्था: महिला स्वयं सहायता समूहों का क्लस्टर लेवल फेडरेशन कृषि अवसरचनाना निधि के तहत ऋण के रूप में शेष राशि जुटा सकता है।
व्याज छूट: महिला स्वयं सहायता समूहों पर वित्तीय बोझ को कम करते हुए कृषि अवसरचनाना निधि ऋण पर 3 प्रतिशत की दर से ब्याज छूट प्रदान की जायेगी।
कार्यान्वयन के लिए मुख्य रणनीतियां:
1. संसाधनों और प्रयासों को एकजुट करना: कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, ग्रामीण विकास और उर्वरक विभाग के संसाधनों और प्रयासों को एकजुट करने वाला समग्र हस्तक्षेप करेंगे।
2. कार्यान्वयन के लिए चयन मानदंड: उडे-एनआरएलएम के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में क्षेत्र/क्लस्टर और महिला स्वयं सहायता समूहों का सही चयन।
3. संभावित समूहों की पहचान: उपयुक्त समूहों की पहचान की जायेगी जहां ड्रोन का उपयोग आर्थिक रूप से संभव है।
4. महिला एसएचजी का चयन: ड्रोन उपलब्ध कराने के लिए चिन्हित समूहों में डेटा-एनआरएलएम के तहत प्रगतिशील महिला स्वयं सहायता समूहों का चयन किया जायेगा।
5. महिला स्वयं सहायता समूहों सदस्यों के लिए प्रशिक्षण: महिला स्वयं सहायता समूहों के एक योग्य सदस्य को 15-दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में शामिल किया जायेगा। इसमें अनिवार्य 5-दिवसीय ड्रोन पायलट प्रशिक्षण और पोषक तत्व तथा कीटनाशक अनुप्रयोग सहायता समूहों के पास सभी आवश्यक सामान और सहायक उपकरण हों।
वित्तीय पैटर्न: केंद्रीय वित्तीय सहायता: केंद्रीय वित्तीय सहायता के तहत ड्रोन और संबंधित सहायक उपकरण या सहायक शुल्क की लागत का 80 प्रतिशत या अधिकतम 8 लाख रुपये तक प्रदान किया जायेगा।
महिला स्वयं सहायता समूहों के

तथा कीटनाशकों के अनुप्रयोग के लिए एसओपीएस, ड्रोन उड़ान अभ्यास और ड्रोन की छोटी-मोटी मरम्मत और रखरखाव शामिल होंगे।
कृषि उद्देश्य के लिए इस प्रशिक्षण को एक टीम आयोजित करेगी, जिसमें ड्रोन निर्माता, एसएवी, केवीके, आइसीएआर संस्थानों आदि जैसे केंद्रीय/राज्य संस्थानों के विशेषज्ञ शामिल होंगे।
6. वित्तीय सहायता और ऋण प्रवधान: ड्रोन की खरीद के लिए डेटा-एनआरएलएम के तहत पहचाने गए महिला स्वयं सहायता समूहों को वित्तीय सहायता और ऋण प्रदान किया जायेगा।
7. बड़ी उर्वरक कंपनियों द्वारा सुविधा: बड़ी उर्वरक कंपनियों द्वारा ड्रोन निर्माण कंपनियों और महिला स्वयं सहायता समूहों के बीच मध्यस्थ के रूप में कार्य करेंगे। वे क्लस्टर लेवल फेडरेशन के साथ समझौता ज्ञापन के माध्यम से ड्रोन खरीदेंगे और महिला स्वयं सहायता समूहों को स्वामित्व हस्तांतरित करेंगे।
8. ड्रोन आपूर्तिकर्ता कंपनियों के साथ सहयोग: प्रमुख उर्वरक कंपनियों मरम्मत और रखरखाव सेवाओं के लिए ड्रोन आपूर्तिकर्ता कंपनियों के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करेंगी।
9. नैनो उर्वरकों को बढ़ावा: बड़ी उर्वरक कंपनियों महिला स्वयं सहायता समूहों के साथ ड्रोन द्वारा नैनो उर्वरकों के उपयोग को बढ़ावा देना।
आगे की राह: ड्रोन प्रौद्योगिकी के भविष्य की संभावनाएं विशाल और आशाजनक हैं, खासकर कृषि, बुनियादी ढांचे, लॉजिस्टिक्स और सर्वजनिक सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में। कृषि के अलावा, ड्रोन पशुधन निगरानी, आपदा प्रतिक्रिया एवं राहत, चिकित्सा आपूर्ति वितरण विशेष रूप से दूरदराज या दुर्गम क्षेत्रों, वन क्षेत्र, वन्यजीव आवास तथा जल निकायों की निगरानी, जैव विविधता संरक्षण और इकोसिस्टम प्रबंधन में मददगार के रूप में उपयोगी हो सकते हैं। ड्रोन तकनीक को अपनाकर और विभिन्न कार्यों में इसका लाभ उठा कर, ग्रामीण भारत में महिलाएं अपनी आजीविका बढ़ा सकती हैं, सामुदायिक विकास में योगदान दे सकती हैं और अपने क्षेत्रों के सामाजिक-आर्थिक विकास में अधिक सक्रिय रूप से भाग ले सकती हैं। महिलाओं को अपने और अपने समुदायों के लाभ के लिए ड्रोन की पूरी क्षमता का उपयोग करने में सक्षम बनाने के लिए प्रशिक्षण, संसाधनों और सहायक नीतियों तक पहुंच महत्वपूर्ण होंगी।
(लेखक : चरणजीत सिंह, अपर सचिव ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार और गजानन रौता, प्रोग्राम ऑफिसर, ट्रांसफॉर्म रूरल इंडिया फाउंडेशन हैं।)

आरआइटी के बाद चोरों ने सरायकेला क्षेत्र में दी दस्तक

लाखों का समान उड़ाकर पुलिस को दी चुनौती

आजाद सिपाही संवाददाता

आदित्यपुर। सरायकेला-खरसावा जिले में चोरों का आतंक जारी है। बीते दिनों आरआईटी थाना क्षेत्र के अर्थ एंक्लेव में छः घरों का ताला तोड़कर लगभग करोड़ रुपये की चोरी के घटना को अंजाम देने के बाद अब सरायकेला थाना से मात्र 200 मीटर की दूरी पर गैरज चौक में डे इलेक्ट्रॉनिक्स और फर्नीचर दुकान से लगभग 40 से



50 लाख की मोबाइल उड़ा ली। चोरी की पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद है बतया जा रहा है

दो चोर दुकान के पीछे दरवाजे से प्रवेश कर दुकान से लगभग 50 लाख की मोबाइल चोरी करने का

अनुमान लगाया जा रहा है। सुबह दुकान मालिक शुभम डे दुकान खोलने के दौरान होश उड़ गया। उन्होंने तत्काल सरायकेला पुलिस को सूचना दी। जानकारी मिलने पर पहुंची पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। इधर जिले में दो चोरी की बड़ी घटना के बाद लोगों में नाराजगी देखने को मिली। फिलहाल पुलिस दोनों घटनाओं में सभी बिंदुओं पर जांच कर रही है।

न्याय सदन में पीएलवी की भूमिका पर एक दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन

आरजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। जिला विधिक सेवा प्राधिकार जमशेदपुर के द्वारा न्याय सदन के भवन में पारा लीगल वॉलंटियर के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। रविवार को आयोजित शिविर में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पीएलवी शामिल होकर प्रशिक्षण प्राप्त किया। इस अवसर पर सम्मानित अतिथि डालसा के वरिष्ठ मिडियेटर के के सिन्हा और तीर वरन कर उपस्थित रहे। अतिथियों



के द्वारा दीप प्रज्वलित कर प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ किया गया। मौके पर अतिथि तरीत वरन कर ने डालसा के गठन, उसके कार्य, उद्देश्य व पीएलवी के भूमिका पर विस्तार से जानकारी दी। वहीं अतिथि के के सिन्हा ने घरेलू हिंसा, बाल विवाह,

बालश्रम, पाँचसो एक कानून के बारे में जानकारी दी। साथ ही पीड़ितों को न्याय दिलाने में पीएलवी की क्या भूमिका हो सकती उसपर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया पीएलवी न्यायालय और पब्लिक के बीच में एक सेतु का काम करते हैं। पीएलवी जमीनी स्तर पर जुड़े होते हैं। उन्होंने वंचित और जरूरतमंद लोगों को न्याय दिलाने और उन्हें विकास के मुख्य धारा से जोड़ने का काम करते हैं।

मोदी सरकार समाज के पिछड़े और कमजोर वर्गों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध: अरुण शंकर प्रसाद

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। शहर के भालुवासा में भाजपा बिहार प्रदेश भवुवनी के खजौली विधायक और ओबीसी मोर्चा के झारखंड प्रदेश प्रभारी अरुण शंकर प्रसाद ने पत्रकारों से वार्ता के दौरान केंद्र में मोदी सरकार के उपलब्धियों को साझा किया। रविवार को जानकारी देते हुए उन्होंने बताया प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार प्रेरणास्रोत पं. दीनदयाल उपाध्याय के द्वारा प्रस्तुत अंतोदय सिद्धांत के आधार पर नीतियां बना रही है। जिसका लाभ समाज



के सभी वर्गों को बिना किसी भेदभाव के मिल रहा है। बीते 10 वर्षों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समाज के पिछड़े व कमजोर वर्गों का कल्याण के लिए प्रतिबद्ध होकर निरंतर कार्य कर रही हैं। अनुसूचित जनजाति समाज से देश के राष्ट्रपति बने हैं तो पिछड़ा वर्ग से देश के प्रधानमंत्री बने

हैं। गत दिनों ही पार्टी ने ओबीसी समाज से आने वाले कुशल संगठनकर्ता व पार्टी के वरिष्ठ नेता डॉ प्रदीप वर्मा को राज्यसभा के लिए उम्मीदवार बनाकर ओबीसी समाज का मान बढ़ाया। भाजपा सिर्फ राजनीति के लिए निर्णय नहीं लेते हैं, बल्कि इसमें सामाजिक न्याय भी सम्मिलित है। भाजपा जो बोलती है वो करती है और जो करती है उसे बताती है। धारा 370 को निरस्त करने, रामप्रदिर का निर्माण, तीन तलाक खत्म करने जैसे अनेकों निर्णय लिए गए हैं।

झामुमो का भाजपा पर हल्ला बोल विधायक संग सैकड़ों समर्थक हुए शामिल



आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। झारखंड के पूर्व सीएम और जनता के लिए सेवा भाव से काम करने वाले युवा आदिवासी नेता हेमंत सोरेन को जेल भेजने के खिलाफ झामुमो का आक्रोश जारी है। रविवार को झामुमो पूर्वी सिंहभूम जिला कमिटी के निर्देश पर न्याय यात्रा निकाला गया। जमशेदपुर प्रखंड के पोड़ाबंधा से निकली ढेर हजार से ज्यादा बाईक रैली व पदयात्रा में जुगसलाई विधायक मंगल कालिंदी शामिल होकर कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ाये। झामुमो का विशाल न्याय यात्रा पोड़ाबंधा से शुरू होकर गोविंदपुर अन्ना चौक, बाबा तिलका माझी चौक, गादड़ा, राहड़गोड़ा, बारीगोड़ा, बामनगोड़ा, सोपोडेरा, सरजामदा, शंकरपुर, हलुदबनी सिधु कान्हू चौक होते हुए परसुड़ीह त्रिवेणी चौक पहुंच कर सभा का आयोजन किया गया। न्याय यात्रा के दौरान विधायक संग हजारों समर्थक और झामुमो कार्यकर्ताओं ने हेमंत सोरेन जिंदाबाद, केंद्र सरकार मुदाबांद, जेल का ताला टूट्टेगा हेमंत

सोरेन टूट्टेगा का नारा लगाते हुए पूरे क्षेत्र का भ्रमण किया। मौके पर विधायक मंगल कालिंदी ने कहा 2019 के चुनाव में जनता के समर्थन में हेमंत सोरेन सीएम बने। उनके द्वारा कोरोना के दो साल झारखंड की जनता के लिए किये गए कार्य के साथ दो साल झारखंड की विकास कार्य को देख भाजपा घबरा गई है। केंद्र सरकार की विभिन्न एजेंसियों को लगाकर परेशान किया जा रहा है। बिना किसी सबूत में ही एक आदिवासी सीएम को जेल भेज दिया गया। विधायक ने आम जनता से आने वाले लोकसभा व विधानसभा चुनाव में झामुमो के साथ शामिल होकर भाजपा को भगाने का आह्वान किया। मौके पर जिला परिषद सदस्य पूर्णिमा मल्लिक, झामुमो नेता पलटन मुर्मु, मिथुन चक्रवर्ती, मानिक मल्लिक, जितेंद्र सिंह, मनोहर हुसन, मुखिया नागी मुर्मु, मुखिया पानो मुर्मु, ग्राम प्रधान कारु मुर्मु, बबिता करुआ, सहित जमशेदपुर प्रखंड के झामुमो नेता और कार्यकर्ता शामिल रहे।

कैबिनेट की बैठक में 17 प्रस्तावों पर मुहर गैर-पेशेवर यूजी और पीजी छात्रों को मिलेगी छात्रवृत्ति

● शिक्षकों को ब्लॉक अनुदान एक कार्गनी सहायता

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। राज्य मंत्रिमंडल की 76वीं बैठक माननीय मुख्यमंत्री नवीन पटनायक की अध्यक्षता में लोक सेवा भवन के तीसरे तल के सम्मेलन कक्ष में आयोजित की गयी। कैबिनेट बैठक में राज्य के राज्य, विद्यालय एवं लोक शिक्षा मंत्री सुदाम मरांडी, खाद्य, आपूर्ति एवं शिविर कल्याण एवं सहकारिता मंत्री अतनु सव्यसाची नायक, विकास आयुक्त एवं अपर मुख्य सचिव द्वारा विभिन्न विभागों के 17 प्रस्ताव पारित किये गये। अनु गगं ने राज्य कैबिनेट की बैठक में लिए गए फैसले के बारे में जानकारी दी।

इस बैठक में प्राथमिक शिक्षकों की वेतन दर में बदलाव का फैसला लिया गया है। इसके साथ ही इस बैठक में ओआइएस कैडर के पुनर्गठन को भी मंजूरी दे दी



यगी है। इसी तरह समवाय संस्थाओं के लिए भी सरकार 5 साल तक के लिए फंड की व्यवस्था करेगी। इसके लिए सरकार ने कैबिनेट बैठक में इस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। इसके अलावा कैबिनेट बैठक में राज्य के लोगों के लिए 'आम बस स्टैंड' योजना शुरू करने का फैसला लिया गया है। कैबिनेट ने फैसला लिया है कि पूरे प्रदेश में बस अड्डों को बेहतर बनाया जायेगा और सुविधाएं मुहैया कराई जायेंगी। दूसरी ओर, टैंकनाल बिरसाल में बीपीएसी को भी उन्नत किया जायेगा।

कैबिनेट बैठक में नये अनुदान प्राप्त शैक्षणिक कर्मचारियों के लिए भी बड़ी घोषणा की गयी है।

सोआ विश्वविद्यालय की महिला कर्मचारियों का गौरव : शाश्वती



आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। शिक्षा और अनुसंधान (सोआ) में काम करने वाली महिलाओं ने न केवल शिक्षा या स्वास्थ्य के क्षेत्र में बल्कि विभिन्न विषयों में भी अपने अमूल्य योगदान से विश्वविद्यालय का नाम रोशन किया है। सोआ की उपाध्यक्ष सास्वती दास ने कहा कि इस संबंध में वे विश्वविद्यालय और राज्य भर में आदर्श बन गये हैं। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर श्रीमती दास ने शनिवार को परिसर में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में भाग लेकर सोआ की महिला कर्मचारियों को धन्यवाद दिया और बधाई दी।

इस अवसर पर श्रीमती दास ने कहा कि जहां नारी का सम्मान होता है, वहां देवता निवास करते हैं। श्रीमती दास ने द्रौपदी, अनुसूया, सीता, सावित्री, कुंतला कुमारी और लक्ष्मीबाई जैसी महिलाओं का उदाहरण देते हुए कहा कि महिलाएं स्वर्नीम इतिहास की पृष्ठभूमि हैं। आज की महिलाएं

समाज के साथ कदम मिला कर देश और राष्ट्र का नेतृत्व कर रही हैं। उन्होंने इन महिलाओं को बधाई दी और सम्मानित किया। स्वागत भाषण के अवसर पर सोआ परीक्षा नियंत्रक प्रोफेसर मंजुला दास ने उपस्थित महिला कर्मचारियों को बधाई दी और कहा कि महिलाएं आज सभी क्षेत्रों में अग्रणी हैं। उन्होंने कहा कि हर सफल आदमी के पीछे एक महिला का हाथ होता है। इसी तरह आइएमएस एवं सम हॉस्पिटल की डीन प्रो. संघमित्रा मिश्र ने कहा कि एक महिला ही परिवार को एकजुट रखती है। उन्होंने कहा कि महिलाओं को जिस क्षेत्र में रुचि हो उसी क्षेत्र में आगे बढ़ाना चाहिए। गौरतलब है कि सोआ में पढ़ने वाले 55 फीसदी छात्र हैं, जबकि यूनिवर्सिटी में काम करने वाले 40 फीसदी शिक्षक और कर्मचारी महिलाएं हैं। महिला दिवस पर उपाध्यक्ष सुश्री दास की उपस्थिति में महिला कर्मचारियों ने केक काटकर जश्न मनाया।

एनटीपीसी बोंगाइगांव में बर्दवी शिकला लेडीज क्लब का अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में बर्दवी शिकला लेडीज क्लब ने एनटीपीसी बोंगाइगांव के सहयोग से महिलाओं को सशक्त बनाने और टाउनशिप के सामाजिक-सांस्कृतिक ताने-बाने को बढ़ाने के उद्देश्य से एक सामुदायिक कल्याण पहल की शुरुआत की। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित कोकराझाड़ के जिला आयुक्त प्रदीप कुमार द्विवेदी, आइएएस की सम्मानित उपस्थिति में यह पहल उल्लाह और उद्देश्य के साथ शुरू हुई। श्री द्विवेदी ने



सामाजिक बेहतरि के लिए एनटीपीसी की प्रतिबद्धता को स्वीकार करते हुए विशेष रूप से बालिका सशक्तिकरण में उनके प्रयासों की सराहना की। श्री करुणाकर दास ने बर्दवी शिकला लेडीज क्लब की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डालते हुए एक जीवंत और समावेशी सामुदायिक जीवन को बढ़ावा देने के लिए क्लब के अटूट समर्पण पर जोर दिया। विभिन्न पहलों के माध्यम से, क्लब ने टाउनशिप और उससे आगे के सामाजिक-सांस्कृतिक परिवेश को ऊपर उठाने के लिए लगातार प्रयास किया है। इस आयोजन का एक प्रमुख आकर्षण 2022 की 40 जीएएम लड़कियों को सोलर लाइट का वितरण था, जो उन्हें उनकी प्रकाश आवश्यकताओं के लिए स्थायी समाधान प्रदान करता है। यह कदम न केवल अक्षय ऊर्जा

को बढ़ावा देता है, बल्कि संसाधनों तक पहुंच के माध्यम से युवा महिलाओं को सशक्त बनाने के महत्व को भी दर्शाता है। इस कार्यक्रम में आइएस रेड्डी जीएम (रखरखाव), आशुतोष विश्वास जीएम (संचालन) और बर्दवी शिकला लेडीज क्लब की वरिष्ठ सदस्य झुमिता बिस्वास और वाणी रेड्डी सहित प्रतिष्ठित हस्तियों ने भाग लिया। 2022 में जीएएम पास आउट मस्कुरा खातून ने एनटीपीसी बोंगाइगांव में व्यावहारिक यात्रा और सीख को साझा किया और अपने प्रशंसा पत्र से दूसरों को प्रेरित किया।

S M Toy & School Furniture
Everything From A to Z For School, Playground, Playschool Park Playzone, Malls, Backyard, Recreation Zone, Society & Anganwadis
Old Bank Colony, RMCH Road, Near Sadhu Maidan Shop
Add.: Industrial Area Kokar, Ranchi- 834001 (Jharkhand)
Mob. 7503729696, 9206624569

RAJHANS ACADEMY
BOOST your IIT-JEE/NEET/ Boards Preparation
Creating Path Towards Success
ADMISSION OPEN Upto 100% SCHOLARSHIP
ENGINEERING | MEDICAL | FOUNDATION
11th 12th & 12th Pass | 11th 12th & 12th Pass | 9th & 10th Pass
Call Us : 6287842201 / 02 / 03 / 04, 0651-4658773
302, 3rd Floor, Pranami Height, Circular Road (Lalpur), Ranchi-01
Email: rajhansacademy7@gmail.com | www.rajhansacademy.in

Verma's Today
शृंखला की निम्न पुस्तकें सर्वत्र उपलब्ध हैं—
Class - X | Class - IX
Hindi, English, Mathematics, Science, Social Science, Sanskrit, Hindi - B, Hindi Vyakaran-II, English Grammar-II, Sanskrit Vyakaran-II, Hindi Practical, English Practical, Maths. Practical, Science Practical, S. Science Practical, Sanskrit Practical, Maths. Practical (Combined), Science Practical (Combined)
English Medium | English Medium
Mathematics, Science, Social Science, Maths. Practical, Science Practical, S. Science Practical

जेएसडब्ल्यू फाउंडेशन ने स्ट्रीट लाइट स्थापना परियोजना की आधारशिला रखी

● स्ट्रीट लाइट स्थापना परियोजना की लागत 1.8 करोड़ रुपये है

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। जेएसडब्ल्यू बीपीएसएल के सीएसआर विभाग के तर्फ से झारखुगुड़ा में प्रसन्न पंडा चौक से बीजू पटनायक चौक तक स्ट्रीट लाइटों की स्थापना के लिए आधारशिला रखने के साथ एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की। यह पहल जेएसडब्ल्यू फाउंडेशन की सामुदायिक बुनियादी ढांचे को बढ़ाने और



निवासियों की सुरक्षा और कल्याण सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता का हिस्सा है। इस परियोजना की अनुमानित लागत 1.8 करोड़ रुपये है। इस परियोजना का उद्देश्य सड़कों को रोशन करना है, जिससे क्षेत्र में पैदल चलने वालों और यात्रियों की सुरक्षा में वृद्धि होगी। समारोह में मुख्य अतिथि दीपाली दास विधायक झारखुगुड़ा, सम्मानित अतिथिब्रजबन्धु भाई एडीएम झारखुगुड़ा, एसएन सिंह, उपाध्यक्ष परियोजनाएं एवं जनसंपर्क और अतिरिक्त रानी हाती अध्यक्ष नगरपालिका झारखुगुड़ा उपस्थित थे।

जेएसपी ने नवीन जिंदल का जन्मदिन फिटनेस दिवस के रूप में मनाया

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। जेएसपी के अध्यक्ष नवीन जिंदल का जन्मदिन जिंदल स्टील एंड पावर (जेएसपी) के कर्मचारियों और इसके व्यावसायिक परिसर के आसपास रहने वाले लोगों द्वारा फिटनेस दिवस के रूप में मनाया गया है। इस अवसर पर जेएसपी एवं उसकी शाखा जेएसपी फाउंडेशन द्वारा मिनी मैराथन, योग शिविर, रक्तदान शिविर एवं ग्रामीण स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। अंगुल प्लांट के कार्यकारी निदेशक पंकज मल्हान, आयरन जोन के कार्यकारी निदेशक दामोदर मिश्र, योग गुरु स्वामी सत्यबिंदु सरस्वती और अन्य विभाग प्रमुखों ने आज सुबह मिनी मैराथन को हरी झंडी दिखाई। जेएसपी अध्यक्ष नवीन जिंदल के प्रति अपना प्यार, सम्मान और स्नेह व्यक्त करने के लिए कर्मचारी, उनके परिवार के सदस्य और अन्य लोग बड़ी संख्या में



उपस्थित हुए। इस मौके पर पंकज मल्हान ने कहा कि नवीनजी उन सबसे इन्वेटिव लोगों में से एक हैं जिन्हें मैं मिला हूँ। वह राष्ट्र निर्माण और आर्थिक एवं सामाजिक विकास में योगदान के दृढ़ दूरदर्शी हैं। वह हमेशा सामाजिक और सतत विकास में रुचि रखते हैं। नवीन जी हमेशा कहते हैं कि खरब सिर्फ एक कंपनी नहीं है; यह एक परिवार है जहां हम एक साथ काम करते हैं, एक साथ रहते हैं और एक साथ बढ़ते हैं। जेएसपी अंगुल इकाई की ओर से, मैं उनके सुखी और समृद्ध जीवन को कामना करता हूँ। इसी तरह, जेएसपी फाउंडेशन ने जिंदल आशा केंद्र और नेत्रहीन और बंधि विद्यालय के समर्थन में दिवांग पिला के साथ नवीन जिंदल का जन्मदिन मनाया। डीएवी सावित्री जिंदल हाई स्कूल, उत्कल बालाग्राम अंगुल के छात्रों ने नवीन जिंदल का जन्मदिन मनाया। कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए,

17 को होगा होली धमाल रशियन संग थिरकेगी रांची

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। सन डाउनर इंटरटेनमेंट की ओर से प्री होली सेलिब्रेशन इट्स होली थिंग का आयोजन 17 मार्च को किया जा रहा है। यह आयोजन रांची के कार्निवाल पैलेस में किया जायेगा। यह जानकारी सन डाउनर इंटरटेनमेंट के सीईओ आदित्य राज और फाउंडर ईशान कुमार सोनी ने दी। उन्होंने बताया कि रांची में होने वाला होली सेलिब्रेशन में यह कार्यक्रम सबसे अलग और सबसे ज्यादा शानदार होगा। कार्यक्रम में रशियन डांसर भी आ रही है, जो अपनी अदाओं से जलवा बिखेरेगी। इसके अलावा डीजे की धुन में यूथ के रंगभरी होली खेलेंगे। आदित्य ने बताया कि



अब तक करीब 1000 से अधिक स्नेस और ड्रिंक की भी व्यवस्था टिकट की बिक्री हो चुकी है। कार्यक्रम स्थल में सुरक्षा का व्यापक इंतजाम किए गये हैं। प्रशासन भी इसमें सहयोग कर रही है। होली खेलने के साथ साथ यूथ स्नेस और ड्रिंक की भी व्यवस्था की गयी है। कार्यक्रम के सफल आयोजन में सीईओ आदित्य राज फाउंडर ईशान कुमार सोनी, मीडिया मैनेजर आयुष राज वर्मा व अन्य लोग सहयोग कर रहे हैं।

पुरी समुद्र तट पर सुदर्शन पटनायक ने बनायी कलाकृति दे रही 'मेरा पहला वोट देश के लिए' अभियान को नया आयाम

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। 'मेरा पहला वोट देश के लिए' अभियान देशभर में गति पकड़ रहा है और इसी को आगे बढ़ाते हुए प्रसिद्ध सैंड आर्टिस्ट सुदर्शन पटनायक ने ओड़िशा के पुरी समुद्र तट पर रेत की एक कलाकृति बनायी है। अपनी कलाकृति के माध्यम से, उन्होंने युवा और पहली बार मतदाताओं से बड़ी संख्या में मतदान करने और हमारे लोकतंत्र को समृद्ध और मजबूत करने का आग्रह किया है।



केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने पटनायक की कलाकृति की सराहना करते हुए कहा, 'यह कलाकृति रेत पर बनी है, लेकिन इसकी छाप हर भारतीय के मन पर है। मंत्री ने अपने एक्स पोस्ट में आगे कहा कि #मेरा पहला वोट देश के लिए के रूप में, अभियान देश के हर कोने तक पहुंच गया

है, जिससे पहली बार मतदान करने वालों में लोकतांत्रिक प्रक्रिया का हिस्सा बनने के लिए एक बेजोड़ उत्साह भर गया है, रेत पर उकेरे गए इस अभियान की हम एक सुंदर अभिव्यक्ति देख रहे हैं। 'मेरा पहला वोट देश के लिए' अभियान देश के विभिन्न उच्च शिक्षण संस्थानों में भी चलाया जा रहा है। इस पहल का मुख्य उद्देश्य युवा मतदाताओं को बाहर आकर मतदान करने के लिए प्रोत्साहित करना और राष्ट्र की व्यापक भलाई के लिए मतदान के महत्व को बताना है। यह पहल दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में चुनावों के महत्व और मतदान के गौरव का प्रतीक है।